CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY
KANPUR

Four Year Undergraduate Programme (FYUP)

SANSKRIT

Syllabus of

4 YEAR B.A. (HONOURS)

4 YEAR B.A. (HONOURS WITH RESEARCH)

AND

4+1 YEAR (B.A. HONOURS/ B.A. HONOURS WITH RESEARCH + M.A.) IN SANSKRIT

SESSION 2025-2026 ONWARDS

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय

कानपुर

Uttar Pradesh NEP-2020 UG-PG course Structure aligned with FYUGP of UGC

(To be effective from 2025-26 session)

Prof. Pradeep Kumar Dixit
Convener - Sanskrit
C.S.J.M. University
Kanpur, U.P.

संयोजक – प्रो० प्रदीप कुमार दीक्षित

SANSKRIT SYLLABUS

FYUP & OYPP (To be effective from 2025-26 session)

Syllabus Developed by:

S.No.	Name	Designation	Department	University/College
1.	प्रो० प्रदीप कुमार दीक्षित	संयोजक	संस्कृत	वी०एस०एस०डी० कॉलेज, कानपुर
2.	प्रो० मीना गुप्ता	सदस्य	संस्कृत	पी०पी०एन० कॉलेज, कानपुर
3.	प्रो० बिन्दु सिंह	सदस्य	संस्कृत	के०के० पी०जी० कॉलेज, इटावा
4.	प्रो० ममता शुक्ल	सदस्य	संस्कृत	ए०एन०डी०एन०एन०एम० कॉलेज, कानपुर
5.	प्रो० गोपबंधु मिश्र	सदस्य	संस्कृत	बी०एच०यू०, वाराणसी
6.	प्रो० भारतेन्दु पाण्डेय	सदस्य	संस्कृत	दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7.	प्रो० गिरजा शंकर शास्त्री	सदस्य	ज्योतिष	बी०एच०यू०, वाराणसी
8.	प्रो० मुरलीमनोहर पाठक (कुलपति)	सदस्य	संस्कृत	लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली
9.	प्रो० मार्कन्डेय नाथ तिवारी	सदस्य	संस्कृत	लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली
10.	प्रो० आशारानी पाण्डेय	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	डी०जी०पी०जी० कॉलेज, कानपुर
11.	प्रो० प्रीति राठौर	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	डी०बी०एस० कॉलेज, कानपुर
12.	प्रो० शालिनी अग्रवाल	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	जुहारी देवी गर्ल्स पी०जी० कॉलेज,कानपुर
13.	डॉ० अंशुल दुबे	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	तिलक महाविद्यालय, औरैया
14.	डॉ० सवितुर प्रकाश गंगवार	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	डी०ए०वी० कॉलेज, कानपुर

S.No.	Name	
1.	प्रो० प्रदीप कुमार दीक्षित (संयोजक - संस्कृत) संस्कृत विभाग वी०एस०एस०डी० कॉलेज, कानपुर	
2.	प्रो० मीना गुप्ता (सदस्य) संस्कृत विभाग पी०पी०एन० कॉलेज, कानपुर	
3.	प्रो० बिन्दु सिंह (सदस्य) संस्कृत विभाग के०के० पी०जी० कॉलेज, इटावा	
4.	प्रो० ममता शुक्ल (सदस्य) संस्कृत विभाग ए०एन०डी०एन०एन०एम० कॉलेज, कानपुर	
5.	प्रो० मुरलीमनोहर पाठक (सदस्य) (कुलपति) लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली	
6.	प्रो० गोपबंधु मिश्र (सदस्य) संस्कृत विभाग बी०एच०यू०, वाराणसी	
7.	प्रो० भारतेन्दु पाण्डेय (सदस्य) संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	मैं पाठ्यक्रम से सहमत हूँ। प्रो. भारतेन्दु पाण्डेय Prof. BHARTENDU PANDEY अध्यक्ष / Head संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय Department of Sanskrit University of Delhi

8.	प्रो० गिरजा शंकर शास्त्री (सदस्य) ज्योतिष विभाग बी०एच०यू०, वाराणसी	
9.	प्रो० मार्कन्डेय नाथ तिवारी (सदस्य) संस्कृत विभाग लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली	
10.	प्रो० आशारानी पाण्डेय (विशेष आमंत्रित सदस्य) संस्कृत विभाग डी०जी०पी०जी० कॉलेज, कानपुर	
11.	प्रो० प्रीति राठौर (विशेष आमंत्रित सदस्य) संस्कृत विभाग डी०बी०एस० कॉलेज, कानपुर	
12.	प्रो० शालिनी अग्रवाल (विशेष आमंत्रित सदस्य) संस्कृत विभाग जुहारी देवी गर्ल्स पी०जी० कॉलेज,कानपुर	
13.	डॉ० अंशुल दुबे (विशेष आमंत्रित सदस्य) संस्कृत विभाग तिलक महाविद्यालय, औरैया	
14.	डॉ० सवितुर प्रकाश गंगवार (विशेष आमंत्रित सदस्य) संस्कृत विभाग डी०ए०वी० कॉलेज, कानपुर	

YEAR	SEM.	Core/ Elective	COURSE CODE	COURSE TITLE	THEORY/ PRACTICAL/ RESEARCH	CREDITS
B.A. 1	**I**	**Core**	**A020101T**	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	Theory	6
B.A. 1	**II**	**Core**	**A020201T**	संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग	Theory	6
B.A. 2	**III**	**Core**	**A020301T**	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	Theory	6
B.A. 2	**IV**	**Core**	**A020401T**	काव्य शास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	Theory	6
B.A. 3	**V**	**Core**	**A020501T**	वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन	Theory	5
		Core	**A020502T**	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	Theory	5
B.A. 3	**VI**	**Core**	**A020601T**	आधुनिक संस्कृत साहित्य	Theory	5
		Elective	**A020602T**	❖ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ❖ नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान **उपर्युक्त में से कोई एक**	Theory	5
		Elective	**A020606T**			
B.A. 4 (Hons.)	**VII**	**Core**	**A020701TN**	वेद प्रातिशाख्य एवं निरुक्त	Theory	4
		Core	**A020702TN**	संस्कृत व्याकरण एवं निबन्ध	Theory	4
		Core	**A020703TN**	काव्य एवं नाटक	Theory	4
		Core	**A020704TN**	आर्षकाव्य	Theory	4
		Elective	**A020705TN**	❖ भारतीय वास्तुशास्त्र ❖ पर्यावरण विज्ञान और वैदिक साहित्य **उपर्युक्त में से कोई एक**	Theory	4
		Elective	**A020706TN**			
B.A. 4 (Hons.)	**VIII**	**Core**	**A020801TN**	काव्यशास्त्र	Theory	4
		Core	**A020802TN**	संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	Theory	4
		Core	**A020803TN**	भारतीय दर्शन	Theory	4
		Elective	**A020804TN**	❖ भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान परम्परा ❖ धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र ❖ आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान **उपर्युक्त में से कोई एक**	Theory	4
		Elective	**A020805TN**			
		Elective	**A020806TN**			
		Core	**A020807RN**	क्षेत्र कार्य एवं प्रतिवेदन (Field work and Report)	Practical	4

B.A. 4 (Hons. Research)						
Year	**Sem.**	**Core/ Elective**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory/ Practical/ Research**	**Credits**
B.A. 4 (Hons. Research)	**VII**	**Core**	**A020701TN**	वेद प्रातिशाख्य एवं निरुक्त	Theory	4
		Core	**A020702TN**	संस्कृत व्याकरण एवं निबन्ध	Theory	4
		Elective	**A020703TN**	❖ काव्य एवं नाटक ❖ आर्षकाव्य ❖ भारतीय वास्तुशास्त्र ❖ पर्यावरण विज्ञान और वैदिक साहित्य **उपर्युक्त में से कोई दो**	Theory	4+4
		Elective	**A020704TN**			
		Elective	**A020705TN**			
		Elective	**A020706TN**			
		Core	**A020707RN**	क्षेत्र कार्य एवं प्रतिवेदन (Field work and Report)	Field work	4
B.A. 4 (Hons. Research)	**VIII**	**Core**	**A020801TN**	काव्यशास्त्र	Theory	4
		Core	**A020802TN**	संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	Theory	4
		Core	**A020803TN**	भारतीय दर्शन	Theory	4
		Elective	**A020804TN**	❖ भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान परम्परा ❖ धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र ❖ आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान **उपर्युक्त में से कोई एक**	Theory	4
		Elective	**A020805TN**			
		Elective	**A020806TN**			
		Core	**A020807RN**	लघुशोध (Dissertation)	Research	4

नोट :

❖ = वैकल्पिक

Syllabus for 1-Year P.G. Programme

(Effective from session – 2025-26)

निम्न में से किसी एक वर्ग का चयन करें

YEAR	SEM.	Core/ Elective	COURSE CODE	COURSE TITLE	THEORY/ PRACTICAL/ RESEARCH	CREDITS
वेद वर्ग						
M.A. 1	IX	Core	A020901TN	संस्कृत व्याकरण	Theory	4
		Core	A020902RN	रिसर्च प्रोजेक्ट	Research	4
		Core	A020903TN	वैदिक साहित्य एवं शिक्षा	Theory	4
		Core	A020904TN	उपनिषद् साहित्य एवं निरुक्त	Theory	4
		Core	A020905TN	यजुर्वेद, अथर्ववेद एवं प्रातिशाख्य	Theory	4
साहित्य वर्ग						
M.A. 1	IX	Core	A020901TN	संस्कृत व्याकरण	Theory	4
		Core	A020902RN	रिसर्च प्रोजेक्ट	Research	4
		Core	A020906TN	काव्यशास्त्र	Theory	4
		Core	A020907TN	साहित्यालोक	Theory	4
		Core	A020908TN	रूपकालोक	Theory	4
दर्शन वर्ग						
M.A. 1	IX	Core	A020901TN	संस्कृत व्याकरण	Theory	4
		Core	A020902RN	रिसर्च प्रोजेक्ट	Research	4
		Core	A020909TN	योग एवं वेदान्त	Theory	4
		Core	A020910TN	न्याय एवं वैशेषिक दर्शन	Theory	4
		Core	A020911TN	सांख्य एवं योग	Theory	4

निम्न में से किसी एक वर्ग का चयन करें (नवम् सेमेस्टर के अनुसार)

YEAR	SEM.	Core/ Elective	COURSE CODE	COURSE TITLE	THEORY/ PRACTICAL/ RESEARCH	CREDITS
वेद वर्ग						
M.A. 1	X	Core	A021001TN	व्याकरण एवं वाक्यपदीयम्	Theory	4
		Core	A021002RN	लघुशोध	Research	4
		Core	A021003TN	ब्रह्माण एवं आरण्यक साहित्य	Theory	4
		Core	A021004TN	ऋग्वैदिक संवाद सूक्त एवं निरुक्त	Theory	4
		Core	A021005TN	वैदिक व्याख्यान पद्धतियाँ एवम् इतिहास	Theory	4
साहित्य वर्ग						
M.A. 1	X	Core	A021001TN	व्याकरण एवं वाक्यपदीयम्	Theory	4
		Core	A021002RN	लघुशोध	Research	4
		निम्न में से कोई भी तीन प्रश्न पत्र				
		Core	A021006TN	नाटक एवं नाट्य साहित्य	Theory	4
		Core	A021007TN	आधुनिक संस्कृत काव्य	Theory	4
		Core	A021008TN	महाकाव्य सौरभम्	Theory	4
		Core	A021009TN	लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	Theory	4
		Core	A021010TN	आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	Theory	4
दर्शन वर्ग						
M.A. 1	X	Core	A021001TN	व्याकरण एवं वाक्यपदीयम्	Theory	4
		Core	A021002RN	लघुशोध	Research	4
		Core	A021011TN	न्याय, वैशेषिक, लोकायत एवं जैन दर्शन	Theory	4
		Core	A021012TN	पूर्वमीमांसा एवं बौद्ध दर्शन	Theory	4
		Core	A021013TN	वेदान्त एवं उपनिषद्	Theory	4

विषय-संस्कृत (स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तिधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने-समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तद्जनित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वज्ञता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Programme/Class: Certificate कार्यक्रम/वर्ग - सर्टिफिकेट	Year: First वर्ष – प्रथम	Semester: I सेमेस्टर - प्रथम
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्रकोड-A020101T	**प्रश्नपत्रशीर्षक: संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	
Credits: 6	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमप्रतिफलानि-

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।

total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit इकाई	Topics पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I.	**क.** संस्कृत वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव - वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय। **ख.** संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय एवं प्रमुख आचार्य प्रमुख आचार्य- महाकवि वाल्मीकि , महाकवि वेदव्यास , महाकवि कालिदास , महाकवि भारवि , महाकवि माघ , श्रीहर्ष , पाणिनि , कात्यायन , पतंजलि।	4 8
II.	किरातार्जुनीयम् - प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 25) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
III.	कुमारसंभवम् – प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 25)	11
IV.	नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	संज्ञा प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)	**10**
VI.	अच् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	**12**
VII.	हल संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	**13**
VIII.	विसर्ग सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	**10**

संस्तुतग्रन्थ-

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अश्वघोष प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. शिवसेवक द्विवेदी, भारती प्रकाशन, जयपुर
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (अनु.) डॉ. कृष्णकान्त चतुर्वेदी, कानपुर पब्लिकेशन्स, होम पाइगनगर, कानपुर
- नीतिशतकम्, डॉ. दिनेश प्रसाद तिवारी, महालक्ष्मी प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या.) प्रो. अवध बिहारी अवस्थी, परिकल्प प्रकाशन, कानपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'काशि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, मेमी व्यास एवं आचार्य सत्यदेव शास्त्री, सर्वभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद झा एवं चन्द्र कान्त झा, आदर्श पुस्तकालय, शास्त्री नगर, मेरठ
- लघु सिद्धांत कौमुदी (संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण), डॉ. वेदप्रकाश शास्त्री, भार्गव पुस्तक मंदिर, आगरा

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावितसतत मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अन्तःसत्रीय (असाइनमेंट) 15 अंक

(ख) संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा अथवा

(ख) माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य एवं मौखिक लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघुउत्तरीय) 10 अंक

Suggested equivalent online courses:

……

……..

Further Suggestions:

……

Programme/Class: Certificate कार्यक्रम/वर्ग- सर्टिफिकेट	**Year:** First वर्ष- प्रथम	**Semester:** II सेमेस्टर- द्वितीय
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्रकोड- A020201T	**प्रश्नपत्रशीर्षक: संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**	
Credits: 6	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमप्रतिफलानि-

- विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
- संस्कृत भाषा और साहित्य के नित्य-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
- अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी।
- संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा।
- पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे।
- संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास प्रमुख साहित्यकार - बाणभट्ट, दण्डी, सुबंधु, शूद्रक, अंबिकादत्तव्यास, पंडिता क्षमाराव**	**11**
II.	**शुकनासोपदेश (व्याख्या)**	**12**
II.	**शिवराजविजयम्-प्रथम निश्वास (व्याख्या)**	**12**
V.	**उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न**	**10**
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	**अनुवाद- हिंदी से संस्कृत में (नियम निर्देश पूर्वक) (कारक एवं विभक्ति का ज्ञान अपेक्षित)**	**15**
	अनुवाद- संस्कृत (अपठित) से हिंदी अथवा अंग्रेजी में	**8**

I.	**कंप्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कंप्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर कंप्यूटर में संस्कृत-हिंदी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स- यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉयस टाइपिंग आदि**	**12**
II.	**इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च- ई टेक्स्ट, ई बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैगजीन, डिजिटल लाइब्रेरी**	**10**

संस्तुतग्रन्थ-

- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट, (संपा.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा 'सुमन', साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश, (डॉ. उमेश चंद्र पांडेय, डॉ. शिवसेवक द्विवेदी), प्राच्य भारती संस्थान, गोरखपुर
- शुकनासोपदेश, डॉ० शिवसेवक द्विवेदी, शोभा करन शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, अंबिकादत्त व्यास, संपा. शिव कुमार शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव, साहित्य भंडार, मेरठ
- शिवराजविजयम्, डॉ. दिनेश कुमार दीक्षित, अनुपम संस्कृतम्, गोविंद नगर, कानपुर
- लघु सिद्धांत कौमुदी, (संधि प्रकरण) डॉ. रमा शंकर त्रिपाठी, भारतीय प्रकाशन, कानपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. उमेश चंद्र पांडेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. अवधेश नारायण त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ० जनार्दन भट्ट, अच्युतानंद प्रकाशन, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2008

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अन्तःसत्रीय (असाइनमेंट) 15 अंक
अथवा
लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय)
(ख) संगणक प्रायोगिक परीक्षा 10 अंक

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

……

Programme/Class: Diploma **कार्यक्रम/वर्ग**- डिप्लोमा	**Year:** Second **वर्ष-** द्वितीय	**Semester:** III सेमेस्टर- तृतीय
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्रकोड- A020301T	**प्रश्नपत्रशीर्षक: संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**	

Course outcomes: अधिगमप्रतिफलानि-

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
- व्याकरणपरक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञानोपार्जन में समुच्चय वाक्य विन्यास की कालक्रमानुसार योजना कर सकेंगे।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit इकाई	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यानसंख्या
I.	**नाट्य साहित्य परंपरा तथा प्रमुख नाटककार - भास, अश्वघोष, भवभूति, भट्टनारायण, विशाखदत्त**	**12**
II.	**अभिज्ञान शाकुन्तलम् (प्रथम अंक)**	**10**
III.	**अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)**	**10**
IV.	**स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)**	**13**
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	**रूपसिद्धि- सामान्य परिचय** **अजन्तप्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)** **पुल्लिंग - राम, हरि, साधु** **सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि** **अजन्तप्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)**	**12**
VI.	**स्त्रीलिंग - रमा, मति** **नपुंसकलिंग - ज्ञान, वारि** **सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि**	**11**
VII.	**हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)** **पुल्लिंग - इदम्, राजन्, तद्, किम्** **सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि**	**11**

VIII.	**हलन्तप्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)** **स्त्रीलिंग - किम्, इदम्** **नपुंसकलिंग - इदम्, अहन्** **सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि**	**11**

सन्दर्भग्रन्थ:-

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिल देव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रामशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निपुण विद्वालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन जयपुर
- स्वप्नवासवदत्तम्, श्री शरणीनाथ झा, रामनारायण लाल देवी माईड प्रकाशक, इलाहाबाद
- स्वप्नवासवदत्तम्, जय कृष्ण दाम हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
- स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक) डॉ दिनेश प्रसाद तिवारी, महाकाली प्रकाशन कानपुर नगर
- संस्कृत नाटक: उद्भव और विकास, डॉ. ए.वी. कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धांत, जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ, 2012
- संस्कृत के प्रमुख नाटककार और उनकी कृतियां, डॉ गंगानारायण राय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'रश्मि', चौखम्बा भारतीय अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भेमी व्याख्या, भिमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भेमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी डॉ रामकृष्ण आचार्य विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- लघु सिद्धांत कौमुदी (अजन्त प्रकरण) डॉ प्रेमा अवस्थी, भारतीय प्रकाशन, कानपुर

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल परीक्षा 15 अंक

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अध्ययन (ASSIGNMENT) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:
……

Further Suggestions: ……

Programme/Class: Diploma **कार्यक्रम/वर्ग-** डिप्लोमा	**Year:** Second **वर्ष-** द्वितीय	**Semester:** IV **सेमेस्टर-** तृतीय
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्रकोड- A020401T	**प्रश्नपत्रशीर्षक:** काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	
Credits: 6	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमप्रतिफलानि-

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
- शब्द ज्ञानकोश में वृद्धि होगी।
- व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों का निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।
- संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी।
- अनुप्रास अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोधन एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यानसंख्या**
I.	**संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा तथा प्रमुख काव्यशास्त्रीय ग्रंथ एवं आचार्य- भामह, दंडी, आनंदवर्धन, क्षेमेंद्र, विश्वनाथ**	**14**
II.	**साहित्य दर्पण (प्रथम परिच्छेद)**	**11**
III.	**छंद (वृत्तलक्षण से अधिलिखित छंद)** **अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलंबित, भुजंगप्रयात, बसंततिलका, इंद्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी**	**10**
IV.	**अलंकार (साहित्य दर्पण से अधोलिखित अलंकार)** **अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान, दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति**	**10**
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	**निबंध**	**12**
VI.	**पत्रव्यवहार**	**11**
VII.	**समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन अथवा विज्ञापन अथवा समाचार लेखन**	**11**
VIII.	**अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर**	**11**

संस्तुतग्रंथ-

- साहित्य दर्पण (विश्वनाथ कविराज), सत्यव्रत सिंह, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- साहित्य दर्पण, शालिग्राम शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य दर्पण, राज किशोर सिंह प्रकाशक केंद्र, लखनऊ
- वृत्तरत्नाकरः श्री केदारभट्ट, (व्या.) बल्देव उपाध्याय, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो. राजेंद्र मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन
- छंदमंजरी विकास, हरिदत्त उपाध्याय
- काव्यदीपिका, कांति चंद्र भट्टाचार्य, साहित्य भंडार, मेरठ
- काव्यदीपिका, डॉ बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- हायर संस्कृत व्याकरण, गोविंदर रामचंद्र काले, (हिंदी अनुवादक) कपिल देव द्विवेदी, श्री रामानारायणलाल बिनयनिवास, इलाहाबाद 2001
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुप्रयुक्त कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ युदंनंदन मिश्र, अनुवाद चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चंद्रिका, चंद्रदेव हंस नीटियाद, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, बी एम् ओझा, (अनु) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकोशदीप्ति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- संस्कृतनिबन्धसंग्रहः, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2010
- संस्कृतनिबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन
- संस्कृत निबंध सुधा, रघुवीरप्रसाद गंगवार, नागार्जुन प्रकाशन, फिरोजाबाद, 2005
- निबंध रत्नाकर, डॉ शिवबालक द्विवेदी, चौखंबा ओरियंटालिया नई दिल्ली
- सरल संस्कृत निबंध, डॉ प्रेमा अवस्थी, साहित्य निकेतन कानपुर

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

अथवा

किसी एक छंद अथवा अलंकार के लक्षण एवं न्यूनतम 10 उदाहरण 15 अंक
(संगीत सहित) के संकलन से संबंधित परियोजना कार्य एवं मौखिकी

अथवा

प्रदान अपठित श्लोकों में छंद एवं अलंकार निर्धारण विषयक प्रायोगिकी
(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघुउत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
Suggested equivalent online courses: …… ……..
Further Suggestions: …… ……

Programme/Class: Bachelor **कार्यक्रम/वर्ग-** स्नातकडिग्री	**Year:** Third **वर्ष-** तृतीय	**Semester:** V **सेमेस्टर-** पंचम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020501T	**प्रश्न पत्र शीर्षक - वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	
Credits: 5	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा।
- ऋग्वेद की सूक्तों एवं मन्त्रों के माध्यम से आत्मतत्त्व का उद्घाटन होगा।
- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवगाहन होगा।
- औपनिषदिक धर्म, कर्म, भक्ति एवं ज्ञान मूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य का निदर्शन होगा।
- भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थबोध होगा।
- दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्य एवं ज्ञान को आत्मसात् करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
- गीताज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
	प्रथम भाग (PART-1)	
I.	**वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग)**	**9**
II.	**ऋग्वेदसंहिता- अग्निसूक्त(1.1), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), वाक्सूक्त (10.125)**	**9**
III.	**यजुर्वेदसंहिता-शिवसंकल्पसूक्त** **अथर्ववेदसंहिता - पृथिवीसूक्त (12.1) (1 से 12 मन्त्र)**	**9**
IV.	**ईशावास्योपनिषद् व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न**	**9**
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	**भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय** **दर्शन का अर्थ एवं महत्व** **नास्तिक दर्शन - चार्वाक, जैन और बौद्ध।**	**12**

	आस्तिक दर्शन - न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा एवं वेदांत (परिचयात्मक प्रश्न)	
VI.	**श्रीमद्भगवतगीता - द्वितीय अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न**	**12**
VII.	**तर्कसंग्रह (आरंभ से प्रत्यक्ष खंड पर्यन्त)**	**15**

संस्तुतग्रन्थ -

- ईशावास्योपनिषद्, डॉ. रेवा प्रसाद द्विवेदी, चौखंबा, वाराणसी
- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994
- ईशावास्योपनिषद्, डॉ० शिवबालक द्विवेदी, हिंसा प्रकाशन जयपुर
- ईशावास्योपनिषद्, डॉ० दिनेश प्रसाद तिवारी, महालक्ष्मी प्रकाशन कानपुर नगर
- ईशावास्योपनिषद्, डॉ० प्रेमा अवस्थी, साहित्य निकेतन कानपुर
- ऋग्वेद संहिता, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- ऋग्वेद संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ
- ऋग्वेद सौरभ, डॉ. आर.के.ली. ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- सूक्त संकलन, प्रोफेसर विश्वंभर नाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन
- सूक्त संकलन, डॉ. उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- वेदान्तमनुक्रमणिका, डॉ. प्रतिमा नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वासुदेव गुप्त, चौखंबा प्रकाशन
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. करण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ.
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन
- श्रीमद्भगवतगीता, (संपा०) रामजन्म शाधुले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1985
- श्रीमद्भगवतगीता, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2009
- श्रीमद्भगवतगीता, (द्वितीय अध्याय) डॉ० शिवबालक द्विवेदी, हिंसा प्रकाशन जयपुर
- श्रीमद्भगवतगीता, (द्वितीय अध्याय), डॉ० दिनेश प्रसाद तिवारी, महालक्ष्मी प्रकाशन कानपुर नगर
- तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, (व्या०) चंद्रशंकर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, 1958
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- भारतीय दर्शन, आलंबन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004

- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. दासगुप्त, (अनु.) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1969-1989
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नन्दकिशोर गोविल, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1989
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम.हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट मथू गुप्त एवं सुधीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली 1965
- भारतीय दर्शन के प्रमुख सोपान, डॉ० दिनेश प्रसाद तिवारी, महालक्ष्मी प्रकाशन
- तर्कसंग्रह, डॉ० प्रेमा अवस्थी, सद्गुरु प्रकाशन कानपुर

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-
(क) वैदिक मंत्रों का शुद्ध एवं स्वर उच्चारण (भावार्थ सहित) 15 अंक
अथवा
अधिन्यास (असाइनमेंट) एवंमौखिक
(ख) लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघुउत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:
……. सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
……..

Suggested equivalent online courses: ...

Further Suggestions: ...

Programme/Class: Bachelor **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Third **वर्ष-** तृतीय	**Semester:** V **सेमेस्टर-** पंचम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020502T	**प्रश्नपत्र शीर्षक - व्याकरण एवं भाषा विज्ञान**	
Credits: 5	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

- भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोधन होगा।
- भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे।
- ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तनों के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
- संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I.	**धातु रूप सिद्धि(लट् , लृट् , लोट्, लङ्, विधिलिङ् लकार) (लघु सिद्धांत कौमुदी के अनुसार) भू , पा (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)**	**20**
II.	**कृदन्त प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी के अनुसार) कृत्य प्रत्यय - तव्यत्, तव्य् , अनीयर्, यत् , ण्यत् ,क्यप् , केलिमर्**	**19**
III.	**भाषा विज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान के मुख्य अंग एवं उपयोगिता भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएं, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेक रूप (बोली,भाषा, विभाषा)**	**18**
IV.	**संस्कृत भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण। वैदिक एवं लौकिक भाषा का तुलनात्मक अध्ययन**	**18**

संस्तुतग्रन्थ –

- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भूमि व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भीमि प्रकाशन, दिल्ली 1993

- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन
- कृदन्तप्रक्रिया, दुर्वेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वितीय संस्करण 2010
- भाषा विज्ञान, घोटालाघर तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
- संस्कृत व्याकरण, डॉ शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन जयपुर
- भाषा विज्ञान, डॉ शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन जयपुर

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

…….

प्रस्तावितसततमूल्यांकन-

(क) अभ्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

अथवा

संस्कृत संभाषण – 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघुउत्तरीय) – 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……..

Suggested equivalent online courses: ...

……..

Further Suggestions: ...

……

Programme/Class: Bachelor **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Third **वर्ष**- तृतीय	**Semester:** VI **सेमेस्टर**- षष्ठ
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020601T	**प्रश्नपत्र शीर्षक - आधुनिक संस्कृत साहित्य**	
Credits: 5	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- आधुनिक संस्कृत-कवियों से सुपरीचित होंगे।
- नवीन विषयवस्तुओं एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल-साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उत्सुक होंगे।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोन्नति की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I.	**स्वतंत्रयोत्तर संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय** **प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पण्डिता क्षमाराव**	**16**
II.	**आधुनिक महाकाव्य** **उत्तरसीताचरितम् (प्रथम सर्ग 1-30)** **प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी**	**16**
III.	**आधुनिक काव्य** **अजीजनबाई – डॉ० रामशंकर अवस्थी (1-30)**	**15**
IV.	**आधुनिक-नाटक** **क्षत्रपती साम्राज्यम् (प्रथम अंक) – श्रीमूलशंकरमाणिकलाल "याज्ञिक"**	**14**
V.	**संस्कृत कथा** **कथा मुक्तावली (क्षणिक विभ्रम:) - पण्डिता क्षमाराव**	**14**

संस्तुतग्रन्थ

- कथा मुक्तावली (पण्डिता क्षमाराव) P.J. Pandya for N.M. Tripathi Ltd, Princess Street, Bombay-2

- उत्तरसीताचरितम् - (प्रो. रेवत प्रसाद द्विवेदी) कालिदास संस्थानम्, वाराणसी - 5
- क्षपणक साप्तपदम् - श्रीमूलशंकरमणिकलालाशिक्ष, व्याख्याकार - डा. नरेश झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत बाङ्मय का बृहद इतिहास, सम्पूर्ण खंड - आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बल्देव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण 2000
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिकल्पना, मंजु लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- अज्ञाजनवाई, डॉ रामशंकर अवस्थी, आलोक प्रकाशन C-68 शालवली नगर फेज-1 रतनपुर पनकी, कानपुर

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) आधुनिक संस्कृत पुस्तक समीक्षा एवं मौखिकी **15 अंक**

अथवा

आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण एवं मौखिकी

(ख) लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठलघुत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……..

Suggested equivalent online courses: ...

……..

Further Suggestions: .....

Programme/Class: Bachelor **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Third **वर्ष-** तृतीय	**Semester:** VI **सेमेस्टर-** षष्ठ
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020602T	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक) - योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा**	
Credits: 5	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
- योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
- योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
- योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I.	**योग की भारतीय अवधारणा उपयोगिता एवं महत्व प्राकृतिक चिकित्सा हेतु योग की उपयोगिता, प्रमुख आचार्य एवं ग्रंथ**	**16**
II.	**योगसूत्र- समाधि पाद (सूत्र 1 से 29 तक)**	**12**
III.	**योगसूत्र - साधन पाद (सूत्र 29 से 55 तक)**	**12**
IV.	**योगसूत्र- विभूति पाद (सूत्र 1 से 15 तक)**	**10**
V.	**घेरन्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 32)**	**11**
VI.	**घेरन्ड संहिता - द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्) सिद्धासन, पद्मासन, भद्रासन, मुक्तासन, वज्रासन,स्वस्तिकासनत्, सिंहासन, गोमुखासन**	**14**

संस्तुतग्रन्थ

- पातंजलयोगदर्शनम्, पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
- योग दर्शन, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
- पातंजलयोगदर्शनम्, सुदेश चंद्र श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
- घेरंड संहिता, घेरंड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीतांबरा पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सीय, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार

- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रैनिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
- सूर्य किरण चिकित्सा विज्ञान, अमर जीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
- नेचर क्योर फिलॉसफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) योगासनों का प्रदर्शन **15 अंक**

अथवा

अधीन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघुत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……..

Suggested equivalent online courses: ...

……..

Further Suggestions: ...

……

Programme/Class: Bachelor **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Third **वर्ष-** तृतीय	**Semester:** VI **सेमेस्टर-** षष्ठ
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020606T	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक) - नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान**	
Credits: 5	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगम प्रतिफल -

- विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकांड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
- सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पुरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I.	**संस्कारों का परिचय नित्य विधि (प्रातःस्नान, ध्यान, संध्या, तर्पण तथा पंचयज्ञ)**	**10**
II.	**स्वस्तिवाचन, संकल्प, गौरी-गणेश-पूजन तथा वरुणकलश-स्थापन**	**10**
III.	**षोडषोपचार पूजन, कृच्छ्रचंद्रिका- विधि, मंडप- कुंड- निर्माण तथा होम विधि**	**10**
IV.	**रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जप तथा नवचंडी विधान**	**9**
V.	**नवग्रह शांति, मूलगण्डान्तशांति, दुःस्वप्रशान्ति तथा वैधव्योपशांति**	**9**
VI.	**प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौल कर्म**	**9**
VII.	**यज्ञोपवीत तथा विवाह संस्कार**	**9**
VIII.	**गृह्यारंभ तथा गृह प्रवेश**	**9**

संस्तुतग्रंथ-

- पारस्करगृह्यसूत्र सपा. सुधाकर मालवीय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कर्म कौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, राम प्रकाशक, दिल्ली 2001
- कर्मगुरु, मुकुंद वल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
- आपस्तम्बयज्ञ मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदू संस्कार, राजबली पांडे, लोकभारती प्रकाशन, वाराणसी 1995
- धर्म शास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग, अर्जुन चौबे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
- संस्कार प्रकाश, स्वामी अंतर वेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
- पौरोहित्य कर्म प्रदीपिका, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
- त्रिविधकर्म पूजा प्रकाश, गीता प्रेस गोरखपुर
- धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु०) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ, 1973

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी (मंत्रोच्चार परीक्षा) 15 अंक

(ख) लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघुत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……..

Suggested equivalent online courses: ...

……..

Further Suggestions: ...

……

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर: सप्तम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020701TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: वेद, प्रातिशाख्य एवं निरुक्त**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य वैदिक साहित्य का व्यापक परिचय देना है | ऋग्वैदिक देवताओं को जानने के लिए एक गहन अध्ययन के साथ छात्र निरुक्त के कुछ अंशों का अध्ययन करेंगे जिससे वैदिक व्युत्पत्ति विज्ञान को समझना सरल हो सकेगा | इसे पढ़कर छात्र वैदिक वांग्मय की कुछ मूलभूत अवधारणाओं की एक बुनियादी समझ के साथ वेदों को बहुमूल्य प्राचीन धरोहर के रूप में समझ सकेंगे

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**ऋग्वेद सूक्त** **वरुण (1.25),सूर्य(1.125),इन्द्र(2.12),उषस्(3.61),नासदीय(10.129)**	**15**
द्वितीय इकाई	**प्रातिशाख्य से निम्नलिखित परिभाषाएं – समानाक्षर संध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, संयोग, प्रगृह्य, रक्त, रिफित**	**15**
तृतीय इकाई	**निरुक्त प्रथम अध्याय (सम्पूर्ण)**	**15**
चतुर्थ इकाई	**वैदिक साहित्य का इतिहास** **संहिता साहित्य, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् साहित्य, वेदांग साहित्य**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से प्रत्येक सूक्त के 5 मन्त्रों का हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	4x5 = 20
किसी एक देवता का परिचय एवं किसी एक मन्त्र का पदपाठ	5x1 = 05 5x1 = 05
द्वितीय इकाई से 5 परिभाषाएं	5x2= 10
तृतीय इकाई से 5 मन्त्रों का हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	4x5 = 20
चतुर्थ इकाई से टिप्पणीपरक 5 प्रश्न	3x5 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

परियोजना	10

वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10
उपस्थिति एवं अनुशासन	05
	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ :

- ऋक्सूक्तसंग्रह - (सम्पादक) हरिदत्तशास्त्री, साहित्यभंडार, मेरठ।
- ऋग्भाष्यसंग्रह-(सम्पादक) देवराजचानना, मुंशीलाल मनोहरलाल पब्लिशर्स दिल्ली, 1983।
- ऋग्वेदसंहिता (सायणभाष्यसहिता), भाग 1 - 4, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- वेदभाष्यभूमिकासंग्रह – बलदेव उपाध्याय, बनारस, 1934.
- ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम (अनुवादक) डॉ वीरेन्द्रकुमारवर्मा, चौखम्बाप्रकाशन, नई दिल्ली।
- ऋग्वेदप्रातिशाख्य(उव्वटभाष्य) सिद्धेश्वरभट्टाचार्य, काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी
- निरुक्त –डॉ श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्यभंडार, मेरठ।
- निरुक्त-यास्क (सम्पादक) प्रो.उमाशंकर, शार्मऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2001
- निरुक्तम् (कश्यपप्रजापतिकृत- निघण्टुभाष्यरूपम्), पं. मुकुंद झा बख्शी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्टान, दिल्ली, 2012
- निरुक्त-यास्क, दैवताकाण्ड 7-12, (सम्पादक) सीतारामझाशास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1995

सहायक ग्रन्थ :

- श्रीअरविन्द- वेदरहस्यं, अनुवादक - आचार्य अभयदेव विद्यालंकार एवं जगन्नाथ वेदल, श्री अरविन्द आश्रम, पुदुच्चेरी, 2009.
- उपाध्याय, बलदेव - वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा संस्थान, वाराणसी।
- उपाध्याय, बलदेव - संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - प्रथम भाग (वेद) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
- उपाध्याय, बलदेव - संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - द्वितीय भाग (वेदांग) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
- चतुर्वेदी, गिरिधरशर्मा - वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना, 1972.
- त्रिपाठी, गयाशरण - वैदिक देवता उद्भव और विकास, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- द्विवेदी, कपिलदेव - वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचमसंस्करण 2010.

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर: सप्तम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020702TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: संस्कृत व्याकरण एवं निबन्ध**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- संस्कृत व्याकरण के पाठ्यक्रम का प्रयोजन विद्यार्थियों को संस्कृत विषय की महत्वपूर्ण अवधारणाओं से परिचित कराना है। इसके साथ ही साथ प्राचीन एवं प्रमुख वैयाकरण महर्षि पाणिनी की व्याकरण संरचना , अष्टाध्यायी से अवगत कराना तथा ध्वनि विज्ञान , आकृति विज्ञान और अर्थ विज्ञान से परिचित कराना है जिससे विद्यार्थी शब्दानुशासन की मूल अवधारणा तथा कारक विभक्ति और उनके अनुप्रयोगों को समझने शब्द की प्रकृति , अर्थ तथा उनके सम्बन्धों को समझने में सक्षम हो सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**कारक , विभक्ति प्रकरण सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी विभक्ति पर्यन्त - सूत्रों की व्याख्या उदाहरण सहित।**	**14**
द्वितीय इकाई	**कारक , विभक्ति प्रकरण - सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार पंचमी विभक्ति से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त उदाहरण सहित सूत्रों की व्याख्या।**	**14**
तृतीय इकाई	**तद्धित प्रकरण - अपत्यार्थ (सिद्धांत कौमुदी)**	**14**
चतुर्थ इकाई	**निबन्ध - संस्कृत भाषा में निबन्ध।**	**10**
पंचम इकाई	**अपठितांश - अपठितांश से पूछे गये प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में**	**8**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से तीन सूत्रों की व्याख्या उदाहरण सहित तीन सूत्रों की विभक्ति निर्धारण सम्बन्धी सूत्र सहित व्याख्या	5X3 = 15 5X3 = 15
द्वितीय इकाई से दो सूत्रों की व्याख्या उदाहरण सहित	5X2 = 10
तृतीय इकाई से किन्ही दो प्रत्ययों की सोदाहरण व्याख्या	5X2 = 10
दिये गये 5 विषयों में से एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध	10X1 = 10
अपठितांश गद्यांश एवं पद्यांश से प्रश्न	5X3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रन्थ - पाठ्यक्रम से सम्बन्धित।

1. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरणम् - आचार्य तारणीश झा
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी - गोविन्दाचार्य
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी - श्री बालकृष्ण पंचौली
4. संस्कृत व्याकरण में कारक तत्वानुशीलन (पाणिनि तन्त्र के संदर्भ में) - डॉ ० उमाशंकर शर्मा ऋषि
5. कारक दर्शनम् - डॉ ० कमलनाथ झा
6. भैमीव्याख्या पंचम भाग – भीमसेन शास्त्री – भैमी प्रकाशन, दिल्ली

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर: सप्तम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020703TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: काव्य एवं नाटक**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत काव्यों एवं नाटकों के मूलभूत घटक रस, अलंकार, गुण, रीति, कथावस्तु, अभिनेता, नाटकीय विशेषताओं तथा रस आदि जैसे घटकों से परिचित कराना है। इससे विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के काव्यकारों एवं नाटककारों के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**उत्तर रामचरितम् (प्रथम अंक से चार अंक पर्यन्त)**	**18**
द्वितीय इकाई	**मेघदूतम् (पूर्व मेघ) (1 श्लोक से 50 श्लोक पर्यन्त)**	**15**
तृतीय इकाई	**नलचम्पू (प्रथम उच्छवास)**	**15**
चतुर्थ इकाई	**उपर्युक्त पुस्तकों से टिप्पणीपरक प्रश्न**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	12 X2 = 24
द्वितीय इकाई से *दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	10X2 = 20
तृतीय इकाई से दो गद्य खण्डों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8X2 = 16
उपर्युक्त तीनों ग्रन्थों में से एक विषय पर टिप्पणीपरक प्रश्न	5X3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रन्थ -

1. नाट्यशास्त्र बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. उत्तर रामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी रामनारायण लाल, विजय कुमार इलाहाबाद
3. उत्तररामचरितम् राम अवध पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. उत्तर रामचरितम् डॉ० शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. मेघदूतम् डॉ० शालिनी अग्रवाल, अभिषेक प्रकाशन, कानपुर
6. मेघदूतम् दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. मेघदूतम् वागीश झा, रामनारायण लाल एण्ड कम्पनी, इलाहाबाद
8. नलचम्पू डॉ० रामनाथ वेदालंकार, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
9. महाकवि भवभूति : एक समीक्षात्मक अध्ययन डॉ० आशारानी पाण्डेय साहित्य निलय, बौद्ध नगर, कानपुर
10. नलचम्पू सुरभारती प्रकाशन, बालाजी मार्केट, पी० रोड कानपुर
11. नलचम्पू सुधा चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन, वाराणसी
12. महाकवि कालिदास के महाकाव्यों में रसनिष्पत्ति : एक अनुशीलन डॉ० प्रदीप कुमार दीक्षित, निखिल प्रकाशन आगरा।

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर-** सप्तम
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020704TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: आर्षकाव्य**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रामायण व महाभारत महाकाव्यों में संरक्षत भारत की विरासत का सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक मूल्यों का सम्पूर्ण चित्रण प्रस्तुत करना है। प्रस्तुत महाकाव्यों के व्यक्तिगत पात्रों के माध्यम से छात्र व्यावहारिक व नैतिक मूल्यों को जान सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**रामायण की विषयवस्तु तथा काल** **रामायण – अरण्यकाण्ड सर्ग – 16 (हेमंतवर्णन)**	**15**
द्वितीय इकाई	**रामायण – सुंदरकाण्ड (4 से 7 सर्ग)**	**15**
तृतीय इकाई	**महाभारत की विषयवस्तु तथा काल**	**15**
चतुर्थ इकाई	**महाभारत - वनपर्व - यक्ष युधिष्ठिर सम्वाद** **महाभारत - शान्तिपर्व - युधिष्ठिर भीष्म सम्वाद**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रत्येक इकाई से 4 व्याख्या	4X7 = 28
प्रत्येक इकाई से 4 टिप्पणी	8X4 = 32
15 सामान्य प्रश्न प्रत्येक इकाई से	15X1 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ :

- पुराणेतिहाससंग्रहः, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 1959
- साहित्यरत्नकोश, भाग -2, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- आदिकवि वाल्मीकिः- राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद् विश्वविद्यालय, सागर
- महाभारत- श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मंडल पारडी
- Mahabharata, Critical Edition, BORI, Poona
- Mahabharata Text, pub. Gita Press, Gorakhpur
- Ramayana with Hindi trans., Gita Press, Gorakhpur

सहायक ग्रन्थ :

- संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी
- रामराज्य का भारतीय आदर्श - डॉ० अंशी रानी पाण्डेय, निखिल प्रकाशन, आगरा
- Hopkins, E.W., The Great Epic of India, Reprinted by Punthi Pustak, Calcutta, 1969
- Ramayana with four commentaries by Govindaraja & others, Lakshmi Venkateswara Press, Bombay, 1935
- Ramayana ed. by Chinnaswami Sastrigal and V.H. Subramanian Shastri, Pub. by N. Ramaratham, Madras, 1958
- Mahabharata with Neelakantha's Commentary, Chirtasala Press, Poona, 1929-33

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर-** सप्तम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020705TN	**प्रश्नपत्रशीर्षक (वैकल्पिक) - भारतीय वास्तुशास्त्र**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- भारतीय वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
- वास्तु शास्त्र के महत्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।
- वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I.	**वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय, महत्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता।**	**10**
II.	**वास्तुसौख्यम् (टोडरमल्ल विरचित)।** **वास्तुसौख्यम् - प्रथम भाग** **वास्तु प्रयोजन, वास्तु स्वरूप (श्लोक 4 से 13)** **वास्तु सौख्यम्- द्वितीय भाग** **भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवासहेतुस्थान निर्वाचन (श्लोक 14 से 22)** **वास्तु सौख्यम्- तृतीय भाग** **गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण, शल्योशोधन (श्लोक 31-49, 74-82)**	**10**
III.	**वास्तु सौख्यम- चतुर्थ भाग** **षड्वर्ग परिशोधन, वास्तुचक्र, गृहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83-102, 107-112)** **वास्तु सौख्यम- पष्ठ भाग** **पञ्चविंशगृह, शालालिंङ्गप्रमाण, वीथिका प्रमाण (श्लोक 171-194, 195-196)** **वास्तु सौख्यम- सप्तम भाग** **द्वार प्रमाण, स्तम्भ प्रमाण, पञ्च चतु:शाला गृह-** **सर्वतोभद्र,नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203-217)**	**10**

IV.	**वास्तु सौख्यम- अष्टम भाग** **एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287-302, 305-307)** **वास्तु सौख्यम- नवम भाग** **वास्तुशास्त्रनिरूपणं, द्वारफलं, द्वारवेधफलं श्लोक 322-335, 359-369)**	**10**
V.	**वास्तु प्रकरण, श्लोक 01 से 14**	**10**
VI.	**भारतीय वास्तु शास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा**	**10**

संस्तुतग्रन्थ

- वास्तु सौरभम्, टोडरमल्ल, (सम्पा०) कमलाकान्त शुक्ल, शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, 1996
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, पीयूषधारा टीका सहित, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
- भारतीय वास्तु शास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- वृहद् वास्तुमाला, राम मनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पिण्डशोधपत्र, भवन निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक) 15 अंक

अथवा

अधीन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघुत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……..

Suggested equivalent online courses: ...

……..

Further Suggestions: ...

……

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष**- चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर**- सप्तम
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020706TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक): पर्यावरण विज्ञान और वैदिक साहित्य**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- वर्तमान में पर्यावरण की असंतुलित स्थिति को देखते हुये, विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण विज्ञान एवं वैदिक साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।
- वैदिक साहित्य में निहित प्राकृतिक तत्वों के स्वरूप का सामान्य अध्ययन कर सकेंगे।
- पर्यावरण प्रदूषण एवं उसके निराकरण के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे।
- वैदिक ऋषियों के पर्यावरण शुद्धिकरण के दृष्टिकोण से सुपरिचित होंगे।
- इस अध्ययन से छात्र-छात्राओं में प्रकृति के प्रति प्रेम तथा वृक्ष वनस्पतियों के संरक्षण की भावना उत्पन्न होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**पर्यावरण का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, पंचतत्त्वों का सामान्य अध्ययन, प्रकृति और मानव सम्बन्ध।**	**15**
द्वितीय इकाई	**अन्तरिक्ष एवं द्युस्थानीय देवता - इन्द्र, मरुत, पर्जन्य, सूर्य, मित्र एवं वरुण का संक्षिप्त परिचय**	**18**
तृतीय इकाई	**पृथ्वी स्थानीय देवता - अग्नि, सोम, उषस्, द्यौः का संक्षिप्त परिचय**	**17**
चतुर्थ इकाई	**पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार, पर्यावरण संरक्षण के विविध उपाय, पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की भूमिका।**	**10**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो प्रश्न	8X2 = 16
द्वितीय इकाई से तीन प्रश्न	8X3 = 24
तृतीय इकाई से पाँच लघु प्रश्न	3X5 = 15
चतुर्थ इकाई से दो विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	10 x 2 = 20

	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

सहायक ग्रंथ :-

1. पर्यावरण विज्ञान और अर्वाचीन संस्कृत महाकाव्य, डॉ० मुरारीलाल अग्रवाल - प्रकाशक - निखिल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 37 'शिवराम कृपा' विष्णु कालोनी, शाहगंज, आगरा - 10
2. वेदों में पर्यावरण विज्ञान - डॉ० चन्द्रशेखर लोखण्डे (शास्त्री), प्रकाशक - श्री धूड़मल प्रहलादकुमार आर्य धर्मार्थ ट्रस्ट, हिण्डौन सिटी (राजस्थान) –
3. आधुनिक जीवन और पर्यावरण, दामोदर शर्मा एवं हरीश व्यास, प्रकाशक - प्रभात प्रकाशन, 4/19 आसिफ अली रोड, नई दिल्ली
4. पर्यावरण शिक्षा - डॉ० राजेश दुबे, प्रकाशक - प्रकृति भारती, लखनऊ (उ०प्र०)
5. संस्कृत में विज्ञान एवं वैज्ञानिक तत्व, सम्पादक प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रकाशक - इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
6. पर्यावरण और संस्कृतवाङ्मय - डॉ० मुरारीलाल अग्रवाल
7. संस्कृतसाहित्ये जलविज्ञानम्, नाग प्रकाशक, दिल्ली
8. भारतीय दर्शनों में समन्वय विमर्श, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. मेघामन्त्रः, डॉ० नवलता, आशियाना, लखनऊ

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020801TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: काव्यशास्त्र**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा में निबद्ध काव्य तथा काव्य के प्रकार, गुण, दोष, रस, अलंकार, रीति आदि विविध आयामों से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम के अध्ययन से काव्य की मुख्य विशेषताओं, शब्द शक्तियों, सम्प्रदायों आदि का भी ज्ञान विद्यार्थियों को होगा तथा वे साहित्यिक, सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक मूल्यों से भी सुपरिचित हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त वे ध्वनि की मौलिक शब्दावली को समझने में भी समर्थ होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**काव्य प्रकाश प्रथम उल्लास**	**12**
द्वितीय इकाई	**काव्य प्रकाश द्वितीय उल्लास**	**15**
तृतीय इकाई	**काव्य प्रकाश तृतीय एवं चतुर्थ उल्लास**	**18**
चतुर्थ इकाई	**ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8X2 = 16
द्वितीय इकाई से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8X2 = 16
तृतीय इकाई से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	6X2 = 12
चतुर्थ इकाई के 'अ' से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8 x 2 = 16
चतुर्थ इकाई के 'ब' भाग से तीन टिप्पणीपरक समीक्षात्मक प्रश्न	5 x 3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक

	कुल अंक 25

संस्कृत ग्रन्थ :

(1) काव्यप्रकाश - मम्मट - व्याख्याकार - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी।

(2) काव्यप्रकाश - मम्मट - बालबोधिनी टीका (झलकीकर), पूना संस्करण

(3) काव्यप्रकाश - मम्मट - टीका सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा वाराणसी

(4) काव्यप्रकाश - मम्मट - पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

(5) काव्यप्रकाश - मम्मट - सीताराम झोलिया, हंसा प्रकाशन, जयपुर

(6) काव्यप्रकाश - मम्मट - श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भंडार,

(7) संस्कृत चिंतन परम्परा में लक्षणा विमर्श - डॉ० अनिल कुमार सिन्हा, आस्था प्रकाशन, भजनपुरा, दिल्ली

(8) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी

(9) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य – चंद्रिकाप्रसाद शुक्ल - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

(10) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य - डॉ० रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

(11) संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास - पी.वी. काणे, हिन्दी अनुवाद, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

(12) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य - जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020802TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य संस्कृत के विद्यार्थियों को लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार समास एवं स्त्रीप्रत्यय का विस्तार से अध्ययन कराना है। इससे भाषा विज्ञान के अंतर्गत भाषा के वर्गीकरण, ध्वनियों का वर्गीकरण तथा विभिन्न नियमों का ज्ञान भी छात्रों को प्राप्त हो सकेगा

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**समास - सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार समास की परिभाषा एवं भेद उदाहरण सहित।** **(1) केवल समास** **(2) अव्ययी भाव समास**	**12**
द्वितीय इकाई	**समास - सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार समास** **(1) तत्पुरुष समास** **(2) बहुव्रीहि समास** **(3) द्वन्द्व समास**	**14**
तृतीय इकाई	**स्त्री प्रत्यय - सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार रूप सिद्धि एवं व्याख्या।** **(i) टाप् (ii) ङीप् (iii) ङीष् (iv) ङीन् (v) ऊङ् (vi) ति**	**18**
चतुर्थ इकाई	**भाषा विज्ञान** **(i) भाषा का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं पारिवारिक)** **(ii) ध्वनियों का वर्गीकरण** **(iii) ध्वनि नियम** **(iv) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण**	**16**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो सिद्धि प्रक्रिया एवं दो सूत्र व्याख्या	5X4 = 20
द्वितीय इकाई से दो सिद्धि प्रक्रिया एवं दो सूत्र व्याख्या	5X4 = 20
तृतीय इकाई से दो रूप सिद्धि एवं दो सूत्र व्याख्या	5X4 = 20

चतुर्थ इकाई से पाँच प्रश्न	3 x 5 = 15
	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुत ग्रन्थ –

(1) लघु सिद्धान्त कौमुदी - श्री धरानन्द शास्त्री

(2) लघु सिद्धान्त कौमुदी - भीमसेन शास्त्री

(3) भाषा विज्ञान - डॉ० कर्ण सिंह

(4) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

(5) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ० कपिल देव द्विवेदी

(6) भाषा विज्ञान - टी०एन० बारो

(7) लघु सिद्धान्त कौमुदी (समास एवं विभक्त्यर्थ प्रकरण) - डॉ० प्रदीप कुमार दीक्षित, डॉ० नीलम दीक्षित

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020803TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: भारतीय दर्शन**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी आस्तिक दर्शनों में से सांख्य, वेदान्त और न्याय के आधारभूत सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।
- सांख्यकारिका, वेदान्तसार एवं तर्कभाषा, इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन से विद्यार्थियों की तर्कशक्ति एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- उक्त दर्शनों के सृष्टि-निर्माण, मोक्ष, आत्मा आदि विषयों का तुलनात्मक अध्ययन एवं चिन्तन करने में समर्थ हो सकेंगे।
- उक्त दर्शनों की विशिष्ट तकनीकी एवं पारिभाषिक शब्दावली से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों को वर्तमान काल में भारतीय ज्ञान मीमांसा एवं प्रमाण-मीमांसा में उक्त दर्शनों के अवदान का बोध होगा और सत्य के निर्धारण में इन दर्शनों के अध्ययन से सहायता मिलेगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण (1-40)**	**15**
द्वितीय इकाई	**वेदान्तसार - सदानन्द :- अनुबन्ध-चतुष्टय, आत्मा विवेचन, अज्ञान विवेचन, ईश्वर विवेचन, जीवन विवेचन, जीवन और ईश्वर का सम्बन्ध**	**15**
तृतीय इकाई	**वेदान्तसार - सदानन्द :- अध्यारोप तथा सृष्टि प्रक्रिया, महावाक्य विवेचन, समाधि विवेचन, बंधन तथा मोक्ष**	**15**
चतुर्थ इकाई	**तर्कभाषा - केशवमिश्र :- (अर्थापत्ति प्रमाण पर्यन्त)**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो व्याख्या	8X2 = 16
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	6X2 = 12
तृतीय इकाई से दो व्याख्या	6X2 = 12
चतुर्थ इकाई से दो व्याख्या	7½ x 2 = 15
तीनों ग्रंथों से समीक्षात्मक एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	7+7+6 = 20

	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुत ग्रंथ : -

1. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार - डॉ० दयाशंकर शास्त्री, साहित्यनिकेतन, कानपुर।
2. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार - डॉ० आशा प्रसाद मिश्र, प्रयागराज।
3. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार - डॉ० हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
4. वेदान्तसार - सदानन्द, व्याख्याकार सन्नारायण श्रीवास्तव, पीयूष प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वेदान्तसार - सदानन्द, हिन्दी व्याख्या और टिप्पणी पं० बद्रीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6. वेदान्तसार - सदानन्द, हिन्दी व्याख्या और टिप्पणी पं० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर।
7. वेदान्तसार - सदानन्द, व्याख्याकार आचार्य राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
8. तर्कभाषा, केशव मिश्र, हिन्दी व्याख्या पं० विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
9. तर्कभाषा - केशवमिश्र, व्याख्याकार आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
10. तर्कभाषा - केशवमिश्र, व्याख्याकार श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
11. भारतीय दर्शन तथा आधुनिक विज्ञान – डॉ० सुद्युम्न आचार्य, वेद वाणी वितानम् प्रकाशन।

सहायक ग्रंथ : -

1. सांख्यदर्शन का इतिहास - उदयवीर शास्त्री, विरजानन्द वैदिक संस्थान, ज्वालापुर।
2. भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, वाराणसी।
3. भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
4. Indian Philosophy Radhakrishnan S, Oxford University Press, Delhi.
5. History of Indian Philosophy, Dasgupta S.N., Motilal Banarasidas, Delhi

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020804TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक): भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान परम्परा**	
Credits: 4	**Elective (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक ओर विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति के विविध पक्षों से परिचित कराना है, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मनीषियों एवं वैज्ञानिकों के ज्ञान-विज्ञान से सम्बन्धित संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध कराना है।
- विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के लौकिक विषयों के अन्तर्गत भूगोल, ज्योतिष, औषधिशास्त्र, भौतिकशास्त्र, भूगर्भविज्ञान, रसायन, तर्क, धनुर्विद्या, शिल्पविद्या आदि का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- इससे विद्यार्थियों को प्राचीन उन्नत आध्यात्मिक ज्ञान का भी अवबोध हो सकेगा।
- नई शिक्षानीति 2020 में भी यह विचार समाहित है कि विद्यार्थी में विसर्जन के साथ साथ स्वावलम्बन, करुणा, मैत्री, राष्ट्रप्रेम की भावना भी विकसित हो और सा विद्या या विमुक्तये' यह जीवनलक्ष्य भी प्राप्त हो, यह पाठ्यक्रम इसी लक्ष्य को दृष्टिगत रखकर तैयार किया गया है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय संस्कृति के मूल तत्व, वैदिक एवं उत्तरवैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं धार्मिक स्थितियों के संदर्भ में), रामायण तथा महाभारत में वर्णित भारतीय संस्कृति (सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक एवं आर्थिक स्थितियों के संदर्भ में)	**12**
द्वितीय इकाई	वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थचतुष्ट्य	**16**
तृतीय इकाई	यज्ञ, यज्ञ के प्रकार, यज्ञ का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व, यज्ञवेदियां एवं यज्ञस्तम्भ	**16**
चतुर्थ इकाई	षोडशसंस्कार, प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली एवं शिक्षा के प्रमुख केन्द्र	**16**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो प्रश्न	7½ x 2 = 15
द्वितीय इकाई से दो प्रश्न	10X2 = 20
तृतीय इकाई से दो प्रश्न	10X2 = 20

चतुर्थ इकाई से दो प्रश्न	10x2 = 20
	कुल अंक = 75

नोट : विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक इकाई से करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक इकाई से तीन प्रश्न होंगे, जिसमें से दो का चयन कर विद्यार्थी को उत्तर देना होगा।

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुत ग्रंथ :-

(1) बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मंदिर, वाराणसी।

(2) डी.डी. कौशाम्बी, प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(3) प्रोतिमा गोयल, भारतीय संस्कृति, राजस्थान ग्रंथागार, जयपुर

(4) रामजी उपाध्याय, भारतीय संस्कृति निधि, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली

(5) Altekar, A.S., 'Education in Ancient India', Delhi

(6) पं० रघुन्दन शर्मा, वैदिक सम्पत्ति आध्यात्मिक शोध संस्थान, दिल्ली

सहायक ग्रंथ :-

(1) राजबली पाण्डेय, हिन्दू संस्कार, चौखम्भा, दिल्ली

(2) रामधारी सिंह दिनकर, संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

(3) ए.एल. बाशम, अद्भुत भारत, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा

(4) राजकिशोर सिंह, भारतीय संस्कृति, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

(5) 'संस्कार विधि' - स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020805TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक): धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- यह पाठ्यक्रम छात्र को प्राचीन भारतीय धार्मिक, राजनैतिक व कानूनी समझ प्रदान करता है। छात्र अर्थशास्त्र में वर्णित नीति व कानून के विभिन्न प्रावधानों को समझते हुए प्राचीन भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की तुलना वर्तमान से कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**मनुस्मृति का सामान्य परिचय** **मनुस्मृति अध्याय 1 (श्लोक 1 – 100)**	**12**
द्वितीय इकाई	**मनुस्मृति अध्याय 7 (श्लोक 101 से अन्त पर्यन्त)**	**18**
तृतीय इकाई	**याज्ञवल्क्य स्मृति का सामान्य परिचय** **याज्ञवल्क्य स्मृति - व्यवहार अध्याय (दायभाग प्रकरण)**	**18**
चतुर्थ इकाई	**कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय** **कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रत्येक इकाई से 5 हिंदी अनुवाद एवं व्याख्या	8X5 = 40
प्रत्येक इकाई से 3 टिप्पणी	8X3 = 24
11 सामान्य प्रश्न	11X1 = 11
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ :

- मनुस्मृति, कुल्लूक भट्ट टीका सहित, (सं.) शिवराज, आचार्य विद्याभवन, वाराणसी।
- मनुस्मृति - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- मनुस्मृति - (सम्पादक) प्रवीण त्र्यम्बक, न्यू भारतीय पब्लिकेशन, दिल्ली
- मनुस्मृति, कुल्लूक भट्ट टीका सहित, (सं.) हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
- याज्ञवल्क्यस्मृति, मिताक्षरा टीका सहित, सम्पादक डॉ. गंगसागर राय, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
- कौटिल्य अर्थशास्त्र - हिन्दी व्याख्या सहित, वाचस्पति गैरोला, वाराणसी।
- कौटिल्य अर्थशास्त्र - संस्कृत टीका सहित, संपादक- टी. गणपतिशास्त्री, त्रिवेन्द्रम्।

सहायक ग्रन्थ :

- Kane, P.V. - History of Dharma, śāstra, Vol. I, BORI, Poona
- Sen, P.V.- Hindu Jurisprudence
- Varadachariar, S. - Hindu Judicial System
- Chaudhary, R.K. - Kantilla's Political Ideas and Institutions, Chaukhamba S. Series, Varanasi, 1971
- Mehta, U. and Thakkar, U. - Kantilla and His Arthaśāstra, S. Chand Publication, Delhi, 1980

Programme/Class: Bachelor Degree (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Four **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर-** अष्टम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020806TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक)- आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- भारतीय प्राचीन ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मानस स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे।
- वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
- अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Unit	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I.	**आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास प्रमुख आचार्य - चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र**	**10**
II.	**स्वास्थ्य विज्ञान एवं योग आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्व, अष्टांग आयुर्वेद**	**12**
III.	**चरक संहिता - सूत्र स्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से समाप्ति पर्यंत)**	**15**
IV.	**चरक संहिता - सूत्र स्थान नवम अध्याय**	**11**
V.	**अष्टांगहृदयम् – वाग्भट** **सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 1-44**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से 5 प्रश्न	3X5 = 15
द्वितीय इकाई से 2 प्रश्न	5X2 = 10
तृतीय इकाई से तीन श्लोक व्याख्या	5X3 = 15
चतुर्थ इकाई से तीन श्लोक व्याख्या	5X3 = 15
पंचम इकाई से चार श्लोक व्याख्या	5X4 = 20
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुतग्रन्थ

- चरक संहिता, (समीक्षा) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंभा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- अष्टांगहृदयम्, वाग्भट, (समीक्षा) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंभा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2012
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अनिर्बद्ध विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंभा वाराणसी
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखंभा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अनिर्बद्ध विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Four **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर-** अष्टम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020807RN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - क्षेत्र कार्य एवं प्रतिवेदन (Field work and Report)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- छात्रों को भारतीय इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक संपदा से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना।
- छात्रों को ऐतिहासिक या सांस्कृतिक स्थलों अथवा औषधीय पौधों से संबंधित स्थानों का भ्रमण कराना।
- छात्रों में शोध कौशल का विकास करना।
- अवलोकन और विश्लेषण क्षमता को बढ़ाना।
- लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना।
- सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।

Unit	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I.	**क्षेत्र कार्य के प्रकार:** **छात्र निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार का क्षेत्र कार्य चुन सकते हैं:** ❖ **ऐतिहासिक/सांस्कृतिक स्थल का भ्रमण** ❖ **प्राचीन मंदिर, किला, स्मारक, पुरातत्व स्थल, संग्रहालय, मठ, गुरुकुल आदि।** ❖ **किसी विशेष परंपरा (यथा, वैदिक पाठ की परंपरा, शास्त्रीय संगीत का केंद्र) से संबंधित स्थान।** ❖ **संस्कृत से जुड़े कोई महत्वपूर्ण स्थान (यथा, किसी संस्कृत विद्वान् का जन्मस्थान, पांडुलिपि संग्रह केंद्र)।** ❖ **औषधीय पौधों से संबंधित स्थान का भ्रमण** ❖ **आयुर्वेदिक उद्यान, नर्सरी, जंगल का कोई विशेष क्षेत्र जहाँ औषधीय पौधे बहुतायत में हों।** ❖ **किसी पारंपरिक वैद्य या वनवासी समुदाय से मिलना जो औषधीय पौधों का ज्ञान रखते हों।** ❖ **संस्कृत में कृषि एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में वैज्ञानिक एवं वैदिक विधि से रहे शोध स्थलों का सर्वेक्षण** ❖	

II.	**डेटा संग्रह:** ❖ **ऐतिहासिक/सांस्कृतिक स्थल के लिए: स्थान का इतिहास, वास्तुकला, मूर्तिकला, धार्मिक/सांस्कृतिक महत्व, संबंधित किंवदंतियाँ/कहानियाँ, वहां प्रचलित रीति-रिवाज, वर्तमान स्थिति, रखरखाव आदि।** ❖ **औषधीय पौधों के लिए: पौधों के नाम (स्थानीय/वैज्ञानिक), पहचान, उनके उपयोग, संग्रह की विधि, आयुर्वेदिक महत्व, स्थानीय लोगों का ज्ञान आदि।** ❖ **साक्षात्कार (यदि संभव हो): यदि संभव हो तो स्थानीय लोगों, विद्वानों, पुजारियों, वन अधिकारियों, पारंपरिक वैद्यों आदि से साक्षात्कार कर अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करेंगे।**	
Further Suggestions: ... **……**		

B.A. 4 (Hons. Research)

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष**- चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर: सप्तम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020701TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: वेद, प्रातिशाख्य एवं निरुक्त**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य वैदिक साहित्य का व्यापक परिचय देना है | ऋग्वैदिक देवताओं को जानने के लिए एक गहन अध्ययन के साथ छात्र निरुक्त के कुछ अंशों का अध्ययन करेंगे जिससे वैदिक व्युत्पत्ति विज्ञान को समझना सरल हो सकेगा | इसे पढ़कर छात्र वैदिक वांग्मय की कुछ मूलभूत अवधारणाओं की एक बुनियादी समझ के साथ वेदों को बहुमूल्य प्राचीन धरोहर के रूप में समझ सकेंगे

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**ऋग्वेद सूक्त** **वरुण (1.25),सूर्य(1.125),इन्द्र(2.12),उषस्(3.61),नासदीय(10.129)**	**15**
द्वितीय इकाई	**प्रातिशाख्य से निम्नलिखित परिभाषाएं – समानाक्षर संध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, संयोग, प्रगृह्य, रक्त, रिफित**	**15**
तृतीय इकाई	**निरुक्त प्रथम अध्याय (सम्पूर्ण)**	**15**
चतुर्थ इकाई	**वैदिक साहित्य का इतिहास** **संहिता साहित्य, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् साहित्य, वेदांग साहित्य**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से प्रत्येक सूक्त के 5 मन्त्रों का हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	4x5 = 20
किसी एक देवता का परिचय एवं किसी एक मन्त्र का पदपाठ	5x1 = 05 5x1 = 05
द्वितीय इकाई से 5 परिभाषाएं	5x2= 10
तृतीय इकाई से 5 मन्त्रों का हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	4x5 = 20
चतुर्थ इकाई से टिप्पणीपरक 5 प्रश्न	3x5 = 15

	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
परियोजना	10
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10
उपस्थिति एवं अनुशासन	05
	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ :

- ऋक्सूक्तसंग्रह - (सम्पादक) हरिदत्तशास्त्री, साहित्यभंडार, मेरठ।
- ऋग्भाष्यसंग्रह-(सम्पादक) देवराजचानना, मुंशीलाल मनोहरलाल पब्लिशर्स दिल्ली, 1983।
- ऋग्वेदसंहिता (सायणभाष्यसहिता), भाग 1 - 4, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- वेदभाष्यभूमिकासंग्रह – बलदेव उपाध्याय, बनारस, 1934.
- ऋग्वेद-प्रातिशाख्यम (अनुवादक) डॉ वीरेन्द्रकुमारवर्मा, चौखम्बाप्रकाशन, नई दिल्ली।
- ऋग्वेदप्रातिशाख्य(उव्वटभाष्य) सिद्धेश्वरभट्टाचार्य, काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी
- निरुक्त –डॉ श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्यभंडार, मेरठ।
- निरुक्त-यास्क (सम्पादक) प्रो.उमाशंकर, शार्मऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2001
- निरुक्तम् (कश्यपप्रजापतिकृत- निघण्टुभाष्यरूपम्), पं. मुकुंद झा बख्शी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्टान, दिल्ली, 2012
- निरुक्त-यास्क, दैवताकाण्ड 7-12, (सम्पादक) सीतारामझाशास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1995

सहायक ग्रन्थ :

- श्रीअरविन्द- वेदरहस्यं, अनुवादक - आचार्य अभयदेव विद्यालंकार एवं जगन्नाथ वेदल, श्री अरविन्द आश्रम, पुदुच्चेरी, 2009.
- उपाध्याय, बलदेव - वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा संस्थान, वाराणसी।
- उपाध्याय, बलदेव - संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - प्रथम भाग (वेद) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
- उपाध्याय, बलदेव - संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - द्वितीय भाग (वेदांग) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
- चतुर्वेदी, गिरिधरशर्मा - वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना, 1972.
- त्रिपाठी, गयाशरण - वैदिक देवता उद्भव और विकास, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- द्विवेदी, कपिलदेव - वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचमसंस्करण 2010.

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर: सप्तम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020702TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: संस्कृत व्याकरण एवं निबन्ध**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- संस्कृत व्याकरण के पाठ्यक्रम का प्रयोजन विद्यार्थियों को संस्कृत विषय की महत्वपूर्ण अवधारणाओं से परिचित कराना है। इसके साथ ही साथ प्राचीन एवं प्रमुख वैयाकरण महर्षि पाणिनी की व्याकरण संरचना , अष्टाध्यायी से अवगत कराना तथा ध्वनि विज्ञान , आकृति विज्ञान और अर्थ विज्ञान से परिचित कराना है जिससे विद्यार्थी शब्दानुशासन की मूल अवधारणा तथा कारक विभक्ति और उनके अनुप्रयोगों को समझने शब्द की प्रकृति , अर्थ तथा उनके सम्बन्धों को समझने में सक्षम हो सकें।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**कारक , विभक्ति प्रकरण सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी विभक्ति पर्यन्त - सूत्रों की व्याख्या उदाहरण सहित।**	**14**
द्वितीय इकाई	**कारक , विभक्ति प्रकरण - सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार पंचमी विभक्ति से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त उदाहरण सहित सूत्रों की व्याख्या।**	**14**
तृतीय इकाई	**तद्धित प्रकरण - अपत्यार्थ (सिद्धांत कौमुदी)**	**14**
चतुर्थ इकाई	**निबन्ध - संस्कृत भाषा में निबन्ध।**	**10**
पंचम इकाई	**अपठितांश - अपठितांश से पूछे गये प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में**	**8**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से तीन सूत्रों की व्याख्या उदाहरण सहित तीन सूत्रों की विभक्ति निर्धारण सम्बन्धी सूत्र सहित व्याख्या	5X3 = 15 5X3 = 15
द्वितीय इकाई से दो सूत्रों की व्याख्या उदाहरण सहित	5X2 = 10
तृतीय इकाई से किन्ही दो प्रत्ययों की सोदाहरण व्याख्या	5X2 = 10
दिये गये 5 विषयों में से एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध	10X1 = 10

अपठितांश गद्यांश एवं पद्यांश से प्रश्न	5X3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रन्थ - पाठ्यक्रम से सम्बन्धित ।

7. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरणम् - आचार्य तारणीश झा
8. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी - गोविन्दाचार्य
9. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी - श्री बालकृष्ण पंचौली
10. संस्कृत व्याकरण में कारक तत्वानुशीलन (पाणिनि तन्त्र के संदर्भ में) - डॉ ० उमाशंकर शर्मा ऋषि
11. कारक दर्शनम् - डॉ ० कमलनाथ झा
12. भैमीव्याख्या पंचम भाग – भीमसेन शास्त्री – भैमी प्रकाशन, दिल्ली

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर: सप्तम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020703TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक): काव्य एवं नाटक**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत काव्यों एवं नाटकों के मूलभूत घटक रस, अलंकार, गुण, रीति, कथावस्तु, अभिनेता, नाटकीय विशेषताओं तथा रस आदि जैसे घटकों से परिचित कराना है। इससे विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के काव्यकारों एवं नाटककारों के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**उत्तर रामचरितम् (प्रथम अंक से चार अंक पर्यन्त)**	**18**
द्वितीय इकाई	**मेघदूतम् (पूर्व मेघ) (1 श्लोक से 50 श्लोक पर्यन्त)**	**15**
तृतीय इकाई	**नलचम्पू (प्रथम उच्छवास)**	**15**
चतुर्थ इकाई	**उपर्युक्त पुस्तकों से टिप्पणीपरक प्रश्न**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	12 X2 = 24
द्वितीय इकाई से *दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	10X2 = 20
तृतीय इकाई से दो गद्य खण्डों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8X2 = 16
उपर्युक्त तीनों ग्रन्थों में से एक विषय पर टिप्पणीपरक प्रश्न	5X3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक

उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रन्थ -

13. नाट्यशास्त्र बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

14. उत्तर रामचरितम् - कपिलदेव द्विवेदी रामनारायण लाल, विजय कुमार इलाहाबाद

15. उत्तररामचरितम् राम अवध पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

16. उत्तर रामचरितम् डॉ० शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर

17. मेघदूतम् डॉ० शालिनी अग्रवाल, अभिषेक प्रकाशन, कानपुर

18. मेघदूतम् दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

19. मेघदूतम् वागीश झा, रामनारायण लाल एण्ड कम्पनी, इलाहाबाद

20. नलचम्पू डॉ० रामनाथ वेदालंकार, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

21. महाकवि भवभूति : एक समीक्षात्मक अध्ययन डॉ० आशारानी पाण्डेय साहित्य निलय, बौद्ध नगर, कानपुर

22. नलचम्पू सुरभारती प्रकाशन, बालाजी मार्केट, पी० रोड कानपुर

23. नलचम्पू सुधा चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन, वाराणसी

24. महाकवि कालिदास के महाकाव्यों में रसनिष्पत्ति : एक अनुशीलन डॉ० प्रदीप कुमार दीक्षित, निखिल प्रकाशन आगरा।

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर-** सप्तम
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020704TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक) : आर्षकाव्य**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रामायण व महाभारत महाकाव्यों में संरक्षत भारत की विरासत का सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक मूल्यों का सम्पूर्ण चित्रण प्रस्तुत करना है। प्रस्तुत महाकाव्यों के व्यक्तिगत पात्रों के माध्यम से छात्र व्यावहारिक व नैतिक मूल्यों को जान सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**रामायण की विषयवस्तु तथा काल** **रामायण – अरण्यकाण्ड सर्ग – 16 (हेमंतवर्णन)**	**15**
द्वितीय इकाई	**रामायण – सुंदरकाण्ड (4 से 7 सर्ग)**	**15**
तृतीय इकाई	**महाभारत की विषयवस्तु तथा काल**	**15**
चतुर्थ इकाई	**महाभारत - वनपर्व - यक्ष युधिष्ठिर सम्वाद** **महाभारत - शान्तिपर्व - युधिष्ठिर भीष्म सम्वाद**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रत्येक इकाई से 4 व्याख्या	4X7 = 28
प्रत्येक इकाई से 4 टिप्पणी	8X4 = 32
15 सामान्य प्रश्न प्रत्येक इकाई से	15X1 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक

	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ :

- पुराणेतिहाससंग्रहः, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 1959
- साहित्यरत्नकोश, भाग -2, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- आदिकवि वाल्मीकिः- राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद् विश्वविद्यालय, सागर
- महाभारत- श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मंडल पारडी
- Mahabharata, Critical Edition, BORI, Poona
- Mahabharata Text, pub. Gita Press, Gorakhpur
- Ramayana with Hindi trans., Gita Press, Gorakhpur

सहायक ग्रन्थ :

- संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी
- रामराज्य का भारतीय आदर्श - डॉ० अंशी रानी पाण्डेय, निखिल प्रकाशन, आगरा
- Hopkins, E.W., The Great Epic of India, Reprinted by Punthi Pustak, Calcutta, 1969
- Ramayana with four commentaries by Govindaraja & others, Lakshmi Venkateswara Press, Bombay, 1935
- Ramayana ed. by Chinnaswami Sastrigal and V.H. Subramanian Shastri, Pub. by N. Ramaratham, Madras, 1958
- Mahabharata with Neelakantha's Commentary, Chirtasala Press, Poona, 1929-33

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर-** सप्तम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020705TN	**प्रश्नपत्रशीर्षक (वैकल्पिक) - भारतीय वास्तुशास्त्र**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- भारतीय वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
- वास्तु शास्त्र के महत्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।
- वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0.

Unit	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
VII.	**वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय, महत्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता।**	**10**
VIII.	**वास्तुसौख्यम् (टोडरमल्ल विरचित)।** **वास्तुसौख्यम् - प्रथम भाग** **वास्तु प्रयोजन, वास्तु स्वरूप (श्लोक 4 से 13)** **वास्तु सौख्यम्- द्वितीय भाग** **भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवासहेतुस्थान निर्वाचन (श्लोक 14 से 22)** **वास्तु सौख्यम्- तृतीय भाग** **गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण, शल्योशोधन (श्लोक 31-49, 74-82)**	**10**
IX.	**वास्तु सौख्यम- चतुर्थ भाग** **षड्वर्ग परिशोधन, वास्तुचक्र, गृहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83-102, 107-112)** **वास्तु सौख्यम- पष्ठ भाग** **पञ्चविंशगृह, शालालिंङ्गप्रमाण, वीथिका प्रमाण (श्लोक 171-194, 195-196)** **वास्तु सौख्यम- सप्तम भाग**	**10**

	द्वार प्रमाण, स्तम्भ प्रमाण, पञ्च चतु:शाला गृह- सर्वतोभद्र,नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203-217)	
X.	**वास्तु सौख्यम- अष्टम भाग एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287-302, 305-307) वास्तु सौख्यम- नवम भाग वास्तुशास्त्रनिरूपणं, द्वारफलं, द्वारवेधफलं श्लोक 322-335, 359-369)**	**10**
XI.	**वास्तु प्रकरण, श्लोक 01 से 14**	**10**
XII.	**भारतीय वास्तु शास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा**	**10**

संस्तुतग्रन्थ

- वास्तु सौरभम्, टोडरमल्ल, (सम्पा०) कमलाकान्त शुक्ल, शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, 1996
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, पीयूषधारा टीका सहित, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
- भारतीय वास्तु शास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- वृहद् वास्तुमाला, राम मनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

……

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पिण्डशोधपत्र, भवन निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक) 15 अंक

अथवा

अधीन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखितपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघुत्तरीय) 10 अंक

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर-** सप्तम
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020706TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक): पर्यावरण विज्ञान और वैदिक साहित्य**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- वर्तमान में पर्यावरण की असंतुलित स्थिति को देखते हुये, विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण विज्ञान एवं वैदिक साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।
- वैदिक साहित्य में निहित प्राकृतिक तत्वों के स्वरूप का सामान्य अध्ययन कर सकेंगे।
- पर्यावरण प्रदूषण एवं उसके निराकरण के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे।
- वैदिक ऋषियों के पर्यावरण शुद्धिकरण के दृष्टिकोण से सुपरिचित होंगे।
- इस अध्ययन से छात्र-छात्राओं में प्रकृति के प्रति प्रेम तथा वृक्ष वनस्पतियों के संरक्षण की भावना उत्पन्न होगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**पर्यावरण का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, पंचतत्त्वों का सामान्य अध्ययन, प्रकृति और मानव सम्बन्ध।**	**15**
द्वितीय इकाई	**अन्तरिक्ष एवं द्युस्थानीय देवता - इन्द्र, मरुत, पर्जन्य, सूर्य, मित्र एवं वरुण का संक्षिप्त परिचय**	**18**
तृतीय इकाई	**पृथ्वी स्थानीय देवता - अग्नि, सोम, उषस्, द्यौः का संक्षिप्त परिचय**	**17**
चतुर्थ इकाई	**पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार, पर्यावरण संरक्षण के विविध उपाय, पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की भूमिका।**	**10**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो प्रश्न	8X2 = 16
द्वितीय इकाई से तीन प्रश्न	8X3 = 24

तृतीय इकाई से पाँच लघु प्रश्न	3X5 = 15
चतुर्थ इकाई से दो विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	10 x 2 = 20
	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

सहायक ग्रंथ :-

1. पर्यावरण विज्ञान और अर्वाचीन संस्कृत महाकाव्य, डॉ० मुरारीलाल अग्रवाल - प्रकाशक - निखिल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 37 'शिवराम कृपा' विष्णु कालोनी, शाहगंज, आगरा - 10
2. वेदों में पर्यावरण विज्ञान - डॉ० चन्द्रशेखर लोखण्डे (शास्त्री), प्रकाशक - श्री धूड़मल प्रहलादकुमार आर्य धर्मार्थ ट्रस्ट, हिण्डौन सिटी (राजस्थान) –
3. आधुनिक जीवन और पर्यावरण, दामोदर शर्मा एवं हरीश व्यास, प्रकाशक - प्रभात प्रकाशन, 4/19 आसिफ अली रोड, नई दिल्ली
4. पर्यावरण शिक्षा - डॉ० राजेश दुबे, प्रकाशक - प्रकृति भारती, लखनऊ (उ०प्र०)
5. संस्कृत में विज्ञान एवं वैज्ञानिक तत्व, सम्पादक प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रकाशक - इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
6. पर्यावरण और संस्कृतवाङ्मय - डॉ० मुरारीलाल अग्रवाल
7. संस्कृतसाहित्ये जलविज्ञानम्, नाग प्रकाशक, दिल्ली
8. भारतीय दर्शनों में समन्वय विमर्श, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. मेघामन्त्रः, डॉ० नवलता, आशियाना, लखनऊ

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Four **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VII **सेमेस्टर-** सप्तम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020707RN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - क्षेत्र कार्य एवं प्रतिवेदन (Field work and Report)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- छात्रों को भारतीय इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक संपदा से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना।
- छात्रों को ऐतिहासिक या सांस्कृतिक स्थलों अथवा औषधीय पौधों से संबंधित स्थानों का भ्रमण कराना।
- छात्रों में शोध कौशल का विकास करना।
- अवलोकन और विश्लेषण क्षमता को बढ़ाना।
- लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना।
- सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।

Unit	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
III.	**क्षेत्र कार्य के प्रकार:** **छात्र निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार का क्षेत्र कार्य चुन सकते हैं:** ❖ **ऐतिहासिक/सांस्कृतिक स्थल का भ्रमण** ❖ **प्राचीन मंदिर, किला, स्मारक, पुरातत्व स्थल, संग्रहालय, मठ, गुरुकुल आदि।** ❖ **किसी विशेष परंपरा (यथा, वैदिक पाठ की परंपरा, शास्त्रीय संगीत का केंद्र) से संबंधित स्थान।** ❖ **संस्कृत से जुड़े कोई महत्वपूर्ण स्थान (यथा, किसी संस्कृत विद्वान् का जन्मस्थान, पांडुलिपि संग्रह केंद्र)।** ❖ **औषधीय पौधों से संबंधित स्थान का भ्रमण** ❖ **आयुर्वेदिक उद्यान, नर्सरी, जंगल का कोई विशेष क्षेत्र जहाँ औषधीय पौधे बहुतायत में हों।** ❖ **किसी पारंपरिक वैद्य या वनवासी समुदाय से मिलना जो औषधीय पौधों का ज्ञान रखते हों।**	

	❖ संस्कृत में कृषि एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में वैज्ञानिक एवं वैदिक विधि से रहे शोध स्थलों का सर्वेक्षण ❖	
IV.	**डेटा संग्रह:** ❖ ऐतिहासिक/सांस्कृतिक स्थल के लिए: स्थान का इतिहास, वास्तुकला, मूर्तिकला, धार्मिक/सांस्कृतिक महत्व, संबंधित किंवदंतियाँ/कहानियाँ, वहां प्रचलित रीति-रिवाज, वर्तमान स्थिति, रखरखाव आदि। ❖ औषधीय पौधों के लिए: पौधों के नाम (स्थानीय/वैज्ञानिक), पहचान, उनके उपयोग, संग्रह की विधि, आयुर्वेदिक महत्व, स्थानीय लोगों का ज्ञान आदि। ❖ साक्षात्कार (यदि संभव हो): यदि संभव हो तो स्थानीय लोगों, विद्वानों, पुजारियों, वन अधिकारियों, पारंपरिक वैद्यों आदि से साक्षात्कार कर अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करेंगे।	
Further Suggestions: ... ……		

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020801TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: काव्यशास्त्र**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा में निबद्ध काव्य तथा काव्य के प्रकार, गुण, दोष, रस, अलंकार, रीति आदि विविध आयामों से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम के अध्ययन से काव्य की मुख्य विशेषताओं, शब्द शक्तियों, सम्प्रदायों आदि का भी ज्ञान विद्यार्थियों को होगा तथा वे साहित्यिक, सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक मूल्यों से भी सुपरिचित हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त वे ध्वनि की मौलिक शब्दावली को समझने में भी समर्थ होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**काव्य प्रकाश प्रथम उल्लास**	**12**
द्वितीय इकाई	**काव्य प्रकाश द्वितीय उल्लास**	**15**
तृतीय इकाई	**काव्य प्रकाश तृतीय एवं चतुर्थ उल्लास**	**18**
चतुर्थ इकाई	**ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8X2 = 16
द्वितीय इकाई से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8X2 = 16
तृतीय इकाई से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	6X2 = 12
चतुर्थ इकाई के 'अ' से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या	8 x 2 = 16
चतुर्थ इकाई के 'ब' भाग से तीन टिप्पणीपरक समीक्षात्मक प्रश्न	5 x 3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक

वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक 25

संस्कृत ग्रन्थ :

(1) काव्यप्रकाश - मम्मट - व्याख्याकार - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी।

(2) काव्यप्रकाश - मम्मट - बालबोधिनी टीका (झलकीकर), पूना संस्करण

(3) काव्यप्रकाश - मम्मट - टीका सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा वाराणसी

(4) काव्यप्रकाश - मम्मट - पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

(5) काव्यप्रकाश - मम्मट - सीताराम झोलिया, हंसा प्रकाशन, जयपुर

(6) काव्यप्रकाश - मम्मट - श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भंडार,

(7) संस्कृत चिंतन परम्परा में लक्षणा विमर्श - डॉ० अनिल कुमार सिन्हा, आस्था प्रकाशन, भजनपुरा, दिल्ली

(8) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी

(9) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य – चंद्रिकाप्रसाद शुक्ल - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

(10) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य - डॉ० रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

(11) संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास - पी.वी. काणे, हिन्दी अनुवाद, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

(12) ध्वन्यालोक - आनन्दवर्धनाचार्य - जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020802TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य संस्कृत के विद्यार्थियों को लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार समास एवं स्त्रीप्रत्यय का विस्तार से अध्ययन कराना है। इससे भाषा विज्ञान के अंतर्गत भाषा के वर्गीकरण, ध्वनियों का वर्गीकरण तथा विभिन्न नियमों का ज्ञान भी छात्रों को प्राप्त हो सकेगा

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**समास - सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार समास की परिभाषा एवं भेद उदाहरण सहित।** **(1) केवल समास** **(2) अव्ययी भाव समास**	**12**
द्वितीय इकाई	**समास - सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार समास** **(1) तत्पुरुष समास** **(2) बहुब्रीहि समास** **(3) द्वन्द्व समास**	**14**
तृतीय इकाई	**स्त्री प्रत्यय - सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार रूप सिद्धि एवं व्याख्या।** **(i) टाप् (ii) ङीप् (iii) ङीष (iv) ङीन (v) ऊङ् (vi) ति।**	**18**
चतुर्थ इकाई	**भाषा विज्ञान** **(i) भाषा का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं पारिवारिक)** **(ii) ध्वनियों का वर्गीकरण** **(iii) ध्वनि नियम**	**16**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो सिद्धि प्रक्रिया एवं दो सूत्र व्याख्या	5X4 = 20
द्वितीय इकाई से दो सिद्धि प्रक्रिया एवं दो सूत्र व्याख्या	5X4 = 20

तृतीय इकाई से दो रूप सिद्धि एवं दो सूत्र व्याख्या	5X4 = 20
चतुर्थ इकाई से पाँच प्रश्न	3 x 5 = 15
	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुत ग्रन्थ –

(1) लघु सिद्धान्त कौमुदी - श्री धरानन्द शास्त्री

(2) लघु सिद्धान्त कौमुदी - भीमसेन शास्त्री

(3) भाषा विज्ञान - डॉ० कर्ण सिंह

(4) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

(5) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ० कपिल देव द्विवेदी

(6) भाषा विज्ञान - टी०एन० बारो

(7) लघु सिद्धान्त कौमुदी (समास एवं विभक्त्यर्थ प्रकरण) - डॉ० प्रदीप कुमार दीक्षित, डॉ० नीलम दीक्षित

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020803TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक: भारतीय दर्शन**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी आस्तिक दर्शनों में से सांख्य, वेदान्त और न्याय के आधारभूत सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।
- सांख्यकारिका, वेदान्तसार एवं तर्कभाषा, इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन से विद्यार्थियों की तर्कशक्ति एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- उक्त दर्शनों के सृष्टि-निर्माण, मोक्ष, आत्मा आदि विषयों का तुलनात्मक अध्ययन एवं चिन्तन करने में समर्थ हो सकेंगे।
- उक्त दर्शनों की विशिष्ट तकनीकी एवं पारिभाषिक शब्दावली से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों को वर्तमान काल में भारतीय ज्ञान मीमांसा एवं प्रमाण-मीमांसा में उक्त दर्शनों के अवदान का बोध होगा और सत्य के निर्धारण में इन दर्शनों के अध्ययन से सहायता मिलेगी।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण (1-40)**	**15**
द्वितीय इकाई	**वेदान्तसार - सदानन्द :- अनुबन्ध-चतुष्टय, आत्मा विवेचन, अज्ञान विवेचन, ईश्वर विवेचन, जीवन विवेचन, जीवन और ईश्वर का सम्बन्ध**	**15**
तृतीय इकाई	**वेदान्तसार - सदानन्द :- अध्यारोप तथा सृष्टि प्रक्रिया, महावाक्य विवेचन, समाधि विवेचन, बंधन तथा मोक्ष**	**15**
चतुर्थ इकाई	**तर्कभाषा - केशवमिश्र :- (अर्थापत्ति प्रमाण पर्यन्त)**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो व्याख्या	8X2 = 16
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	6X2 = 12
तृतीय इकाई से दो व्याख्या	6X2 = 12

चतुर्थ इकाई से दो व्याख्या	7½ x 2 = 15
तीनों ग्रंथों से समीक्षात्मक एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	7+7+6 = 20
	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुत ग्रंथ : -

12. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार - डॉ० दयाशंकर शास्त्री, साहित्यनिकेतन, कानपुर।

13. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार - डॉ० आशा प्रसाद मिश्र, प्रयागराज।

14. सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार - डॉ० हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।

15. वेदान्तसार - सदानन्द, व्याख्याकार सन्नारायण श्रीवास्तव, पीयूष प्रकाशन, प्रयागराज।

16. वेदान्तसार - सदानन्द, हिन्दी व्याख्या और टिप्पणी पं० बद्रीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

17. वेदान्तसार - सदानन्द, हिन्दी व्याख्या और टिप्पणी पं० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर।

18. वेदान्तसार - सदानन्द, व्याख्याकार आचार्य राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

19. तर्कभाषा, केशव मिश्र, हिन्दी व्याख्या पं० विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

20. तर्कभाषा - केशवमिश्र, व्याख्याकार आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

21. तर्कभाषा - केशवमिश्र, व्याख्याकार श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।

22. भारतीय दर्शन तथा आधुनिक विज्ञान – डॉ० सुद्युम्न आचार्य, वेद वाणी वितानम् प्रकाशन।

सहायक ग्रंथ : -

6. सांख्यदर्शन का इतिहास - उदयवीर शास्त्री, विरजानन्द वैदिक संस्थान, ज्वालापुर।
7. भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, वाराणसी।
8. भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
9. Indian Philosophy Radhakrishnan S, Oxford University Press, Delhi.
10. History of Indian Philosophy, Dasgupta S.N., Motilal Banarasidas, Delhi

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020804TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक): भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान परम्परा**	
Credits: 4	**Elective (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक ओर विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति के विविध पक्षों से परिचित कराना है, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मनीषियों एवं वैज्ञानिकों के ज्ञान-विज्ञान से सम्बन्धित संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध कराना है।
- विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के लौकिक विषयों के अन्तर्गत भूगोल, ज्योतिष, औषधिशास्त्र, भौतिकशास्त्र, भूगर्भविज्ञान, रसायन, तर्क, धनुर्विद्या, शिल्पविद्या आदि का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- इससे विद्यार्थियों को प्राचीन उन्नत आध्यात्मिक ज्ञान का भी अवबोध हो सकेगा।
- नई शिक्षानीति 2020 में भी यह विचार समाहित है कि विद्यार्थी में विसर्जन के साथ साथ स्वावलम्बन, करुणा, मैत्री, राष्ट्रप्रेम की भावना भी विकसित हो और सा विद्या या विमुक्तये' यह जीवनलक्ष्य भी प्राप्त हो, यह पाठ्यक्रम इसी लक्ष्य को दृष्टिगत रखकर तैयार किया गया है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय संस्कृति के मूल तत्व, वैदिक एवं उत्तरवैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं धार्मिक स्थितियों के संदर्भ में), रामायण तथा महाभारत में वर्णित भारतीय संस्कृति (सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक एवं आर्थिक स्थितियों के संदर्भ में)	**12**
द्वितीय इकाई	वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थचतुष्टय	**16**
तृतीय इकाई	यज्ञ, यज्ञ के प्रकार, यज्ञ का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व, यज्ञवेदियां एवं यज्ञस्तम्भ	**16**
चतुर्थ इकाई	षोडशसंस्कार, प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली एवं शिक्षा के प्रमुख केन्द्र	**16**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो प्रश्न	7½ x 2 = 15

द्वितीय इकाई से दो प्रश्न	10X2 = 20
तृतीय इकाई से दो प्रश्न	10X2 = 20
चतुर्थ इकाई से दो प्रश्न	10x2 = 20
	कुल अंक = 75

नोट : विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक इकाई से करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक इकाई से तीन प्रश्न होंगे, जिसमें से दो का चयन कर विद्यार्थी को उत्तर देना होगा।

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुत ग्रंथ :-

(1) बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मंदिर, वाराणसी।
(2) डी.डी. कौशाम्बी, प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
(3) प्रोतिमा गोयल, भारतीय संस्कृति, राजस्थान ग्रंथागार, जयपुर
(4) रामजी उपाध्याय, भारतीय संस्कृति निधि, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
(5) Altekar, A.S., 'Education in Ancient India', Delhi
(6) पं० रघुन्दन शर्मा, वैदिक सम्पत्ति आध्यात्मिक शोध संस्थान, दिल्ली

सहायक ग्रंथ :-

(1) राजबली पाण्डेय, हिन्दू संस्कार, चौखम्भा, दिल्ली

(2) रामधारी सिंह दिनकर, संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

(3) ए.एल. बाशम, अद्भुत भारत, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा

(4) राजकिशोर सिंह, भारतीय संस्कृति, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

(5) 'संस्कार विधि' - स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Fourth **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर- अष्टम**
विषय:-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड-A020805TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक): धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

उद्देश्य :

- यह पाठ्यक्रम छात्र को प्राचीन भारतीय धार्मिक, राजनैतिक व कानूनी समझ प्रदान करता है। छात्र अर्थशास्त्र में वर्णित नीति व कानून के विभिन्न प्रावधानों को समझते हुए प्राचीन भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की तुलना वर्तमान से कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
प्रथम इकाई	**मनुस्मृति का सामान्य परिचय** **मनुस्मृति अध्याय 1 (श्लोक 1 – 100)**	**12**
द्वितीय इकाई	**मनुस्मृति अध्याय 7 (श्लोक 101 से अन्त पर्यन्त)**	**18**
तृतीय इकाई	**याज्ञवल्क्य स्मृति का सामान्य परिचय** **याज्ञवल्क्य स्मृति - व्यवहार अध्याय (दायभाग प्रकरण)**	**18**
चतुर्थ इकाई	**कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय** **कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रत्येक इकाई से 5 हिंदी अनुवाद एवं व्याख्या	8X5 = 40
प्रत्येक इकाई से 3 टिप्पणी	8X3 = 24
11 सामान्य प्रश्न	11X1 = 11
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक

	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ :

- मनुस्मृति, कुल्लूक भट्ट टीका सहित, (सं.) शिवराज, आचार्य विद्याभवन, वाराणसी।
- मनुस्मृति - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- मनुस्मृति - (सम्पादक) प्रवीण त्र्यम्बक, न्यू भारतीय पब्लिकेशन, दिल्ली
- मनुस्मृति, कुल्लूक भट्ट टीका सहित, (सं.) हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
- याज्ञवल्क्यस्मृति, मिताक्षरा टीका सहित, सम्पादक डॉ. गंगसागर राय, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
- कौटिल्य अर्थशास्त्र - हिन्दी व्याख्या सहित, वाचस्पति गैरोला, वाराणसी।
- कौटिल्य अर्थशास्त्र - संस्कृत टीका सहित, संपादक- टी. गणपतिशास्त्री, त्रिवेन्द्रम्।

सहायक ग्रन्थ :

- Kane, P.V. - History of Dharma, śāstra, Vol. I, BORI, Poona
- Sen, P.V.- Hindu Jurisprudence
- Varadachariar, S. - Hindu Judicial System
- Chaudhary, R.K. - Kantilla's Political Ideas and Institutions, Chaukhamba S. Series, Varanasi, 1971
- Mehta, U. and Thakkar, U. - Kantilla and His Arthaśāstra, S. Chand Publication, Delhi, 1980

Programme/Class: Bachelor (Hons.) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Four **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर-** अष्टम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020806TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक (वैकल्पिक)- आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान**	
Credits: 4	**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (Elective)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- भारतीय प्राचीन ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मानस स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे।
- वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
- अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Unit	Topics पाठ्यविषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
VI.	**आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास प्रमुख आचार्य - चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र**	**10**
VII.	**स्वास्थ्य विज्ञान एवं योग आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्व, अष्टांग आयुर्वेद**	**12**
VIII.	**चरक संहिता - सूत्र स्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से समाप्ति पर्यंत)**	**15**
IX.	**चरक संहिता - सूत्र स्थान नवम अध्याय**	**11**
X.	**अष्टांगहृदयम् – वाग्भट** **सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 1-44**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से 5 प्रश्न	3X5 = 15
द्वितीय इकाई से 2 प्रश्न	5X2 = 10
तृतीय इकाई से तीन श्लोक व्याख्या	5X3 = 15
चतुर्थ इकाई से तीन श्लोक व्याख्या	5X3 = 15

पंचम इकाई से चार श्लोक व्याख्या	5X4 = 20
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्तुतग्रन्थ

- चरक संहिता, (समीक्षा) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंभा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- अष्टांगहृदयम्, वाग्भट, (समीक्षा) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंभा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2012
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अनिर्बद्ध विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंभा वाराणसी
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखंभा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अनिर्बद्ध विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956

Programme/Class: Bachelor (Hons. Research) **कार्यक्रम/वर्ग**- स्नातकडिग्री	**Year:** Four **वर्ष-** चतुर्थ	**Semester:** VIII **सेमेस्टर-** अष्टम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020807RN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - लघुशोध (Dissertation)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 50+50	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- छात्र किसी विशिष्ट शोध प्रश्न या समस्या को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर पाएंगे।
- छात्र अपने शोध विषय से संबंधित मौजूदा साहित्य और सिद्धांतों का गहन विश्लेषण कर सकेंगे।
- छात्र अपने शोध प्रश्न का उत्तर देने के लिए उपयुक्त अनुसंधान पद्धतियों (जैसे गुणात्मक, मात्रात्मक, या मिश्रित) का चयन और अनुप्रयोग कर पाएंगे।
- छात्र डेटा एकत्र करने, उसका विश्लेषण करने और प्राप्त निष्कर्षों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे।
- छात्र अपने शोध कार्य के आधार पर तार्किक रूप से संरचित और अकादमिक रूप से सुसंगत एक लिखित शोध प्रबंध (डिसर्टेशन) तैयार कर सकेंगे।
- छात्र शोध प्रक्रिया के दौरान अकादमिक ईमानदारी और नैतिक सिद्धांतों का पालन करेंगे, जिसमें साहित्यिक चोरी से बचना और स्रोतों का सही ढंग से उल्लेख करना शामिल है।
- छात्र अपने शोध निष्कर्षों और तर्कों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से मौखिक तथा लिखित रूप में प्रस्तुत कर पाएंगे।
- छात्र स्वतंत्र रूप से काम करने और गंभीर रूप से सोचने की क्षमता विकसित करेंगे, जिससे वे जटिल समस्याओं का समाधान ढूंढ सकें।
- छात्र अपने क्षेत्र में ज्ञान के मौजूदा भंडार में योगदान करने या किसी विशिष्ट समस्या के लिए व्यावहारिक समाधान सुझाने में सक्षम होंगे।

Unit	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
	❖ **अनुसंधान का परिचय और विषय चयन (Introduction to Research and Topic Selection)** ❖ **शोध प्रस्ताव का विकास (Preparation of Research Proposal)**	

	❖ **साहित्य समीक्षा और सैद्धांतिक ढाँचा (Literature Review and Theoretical Framework)** ❖ **अनुसंधान कार्यप्रणाली (Research Methodology)** ❖ **अनुसंधान में नैतिकता और अकादमिक ईमानदारी (Ethics and Academic Integrity in Research)** ❖ **डिज़र्टेशन/लघु शोध लेखन और प्रस्तुति (Dissertation/Research Paper Writing and Presentation)**	

1 Year Masters Programme

(Effective From Session – 2025-26)

Syllabus for 1-Year P.G. Programme

(Effective from session – 2025-26)

निम्न में से किसी एक वर्ग का चयन करें

YEAR	SEM.	Core/ Elective	COURSE CODE	COURSE TITLE	THEORY/ PRACTICAL/ RESEARCH	CREDITS
वेद वर्ग						
M.A. 1	IX	Core	A020901TN	संस्कृत व्याकरण	Theory	4
		Core	A020902RN	रिसर्च प्रोजेक्ट	Research	4
		Core	A020903TN	वैदिक साहित्य एवं शिक्षा	Theory	4
		Core	A020904TN	उपनिषद् साहित्य एवं निरुक्त	Theory	4
		Core	A020905TN	यजुर्वेद, अथर्ववेद एवं प्रातिशाख्य	Theory	4
साहित्य वर्ग						
M.A. 1	IX	Core	A020901TN	संस्कृत व्याकरण	Theory	4
		Core	A020902RN	रिसर्च प्रोजेक्ट	Research	4
		Core	A020906TN	काव्यशास्त्र	Theory	4
		Core	A020907TN	साहित्यालोक	Theory	4
		Core	A020908TN	रूपकालोक	Theory	4
दर्शन वर्ग						
M.A. 1	IX	Core	A020901TN	संस्कृत व्याकरण	Theory	4
		Core	A020902RN	रिसर्च प्रोजेक्ट	Research	4
		Core	A020909TN	योग एवं वेदान्त	Theory	4
		Core	A020910TN	न्याय एवं वैशेषिक दर्शन	Theory	4
		Core	A020911TN	सांख्य एवं योग	Theory	4

निम्न में से किसी एक वर्ग का चयन करें (नवम् सेमेस्टर के अनुसार)

YEAR	SEM.	Core/ Elective	COURSE CODE	COURSE TITLE	THEORY/ PRACTICAL/ RESEARCH	CREDITS
वेद वर्ग						
M.A. 1	X	Core	A021001TN	व्याकरण एवं वाक्यपदीयम्	Theory	4
		Core	A021002RN	लघुशोध	Research	4
		Core	A021003TN	ब्रह्माण एवं आरण्यक साहित्य	Theory	4
		Core	A021004TN	ऋग्वैदिक संवाद सूक्त एवं निरुक्त	Theory	4
		Core	A021005TN	वैदिक व्याख्यान पद्धतियाँ एवं इतिहास	Theory	4
साहित्य वर्ग						
M.A. 1	X	Core	A021001TN	व्याकरण एवं वाक्यपदीयम्	Theory	4
		Core	A021002RN	लघुशोध	Research	4
		निम्न में से कोई भी तीन प्रश्न पत्र				
		Core	A021006TN	नाटक एवं नाट्य साहित्य	Theory	4
		Core	A021007TN	आधुनिक संस्कृत काव्य	Theory	4
		Core	A021008TN	महाकाव्य सौरभम्	Theory	4
		Core	A021009TN	लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	Theory	4
		Core	A021010TN	आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	Theory	4
दर्शन वर्ग						
M.A. 1	X	Core	A021001TN	व्याकरण एवं वाक्यपदीयम्	Theory	4
		Core	A021002RN	लघुशोध	Research	4
		Core	A021011TN	न्याय, वैशेषिक, लोकायत एवं जैन दर्शन	Theory	4
		Core	A021012TN	पूर्वमीमांसा एवं बौद्ध दर्शन	Theory	4
		Core	A021013TN	वेदान्त एवं उपनिषद्	Theory	4

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020901TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - संस्कृत व्याकरण**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- संस्कृत व्याकरण के पाठ्यक्रम का प्रयोजन विद्यार्थियों को संस्कृत विषय के तदित् प्रकरण की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी महाभाष्य के विषय में उपयोगी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा संस्कृत व्याकरण के इतिहास के सम्बन्ध में भी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**महाभाष्य पस्पशाह्निकम्** **(प्रारम्भ से शब्दार्थ सम्बन्ध पूर्व गद्य पर्यन्त व्याख्यात्मक अध्ययन)।**	**18**
II.	**तदित् प्रकरण लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार** **(1) मत्वर्थीया: (2) ठञ्ठिकार: (3) प्राग्दीव्यतीया: (4) यदधिकार:**	**18**
III.	**संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास**	**12**
IV.	**अनुवाद** **(हिन्दी से संस्कृत भाषा में अनुवाद तथा संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-	
प्रथम इकाई से तीन व्याख्या एवं दो टिप्पणीपरक सामान्य प्रश्न	5X3=15 5X2=10
द्वितीय इकाई से तीन रूप सिद्धि एवं दो सूत्र की व्याख्या	4X3=12 4X2=8
तृतीय इकाई से चार टिप्पणीपरक प्रश्न	5X4=20
चतुर्थ इकाई से हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	10X1=10
	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. महाभाष्य (पस्पशाह्निकम) - डॉ० राज किशोर मणि त्रिपाठी
2. महाभाष्य (नवाह्निकम) - पं० युधिष्ठिर मीमांसक
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी - गोविन्द प्रसाद शर्मा
4. शीघ्रबोध व्याकरण – डॉ० (श्रीमती) पुष्पा दीक्षित
5. रचना अनुवाद कौमुदी – डॉ० कपिल देव द्विवेदी

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020902RN	**प्रश्नपत्र शीर्षक – शोध परियोजना (Research Project)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- छात्रों को शोध समस्या की पहचान करने, उद्देश्य निर्धारित करने, और निष्कर्ष प्रस्तुत करने जैसे शोध के मूलभूत चरणों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।
- संदर्भ-ग्रंथों के चयन, प्रासंगिक सामग्री को एकत्र करने, उसे व्यवस्थित करने और अकादमिक तरीके से प्रस्तुत करने जैसे आवश्यक शोध कौशल विकसित करना।
- छात्रों को किसी चुने हुए विषय पर स्वतंत्र रूप से जानकारी एकत्र करने, उसका अध्ययन करने और उसे एक सुसंगत रिपोर्ट में व्यवस्थित करने के लिए प्रेरित करना।
- स्पष्ट, संक्षिप्त और वस्तुनिष्ठ अकादमिक भाषा का उपयोग करते हुए रिसर्च प्रोजेक्ट रिपोर्ट लिखने की क्षमता विकसित करना, जिसमें संदर्भों के उचित प्रयोग और साहित्यिक चोरी से बचाव पर बल दिया जाए।
- छात्रों में शोध कार्य के प्रति आत्मविश्वास और रुचि का निर्माण करना, जो उन्हें दशमसेमेस्टर में अधिक विस्तृत 'लघु शोध' के लिए मानसिक रूप से तैयार करेगा।
- अध्ययन की गई सामग्री या प्राप्त जानकारी को एक तार्किक और संरचित रूप में प्रस्तुत करने का कौशल प्रदान करना।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	• **शोध का प्रारंभिक परिचय: शोध का अर्थ, महत्व, और रिसर्च प्रोजेक्ट का विशिष्ट उद्देश्य (लघु शोध से भिन्न)।** • **विषय और समस्या का चुनाव: छात्रों की रुचि के अनुसार सरल और सीमित क्षेत्र वाले विषय का चयन, एक स्पष्ट शोध समस्या और 2-3 मुख्य उद्देश्यों का निर्धारण।** • **सामग्री का चयन: विषय से संबंधित 1-2 मूल संस्कृत ग्रंथों या प्रमुख अंशों तथा 2-3 आधुनिक पुस्तकों/लेखों का चयन।** • **बुनियादी सामग्री संकलन और विश्लेषण: चयनित स्रोतों से जानकारी एकत्र करना, संकलित करना और सामग्री का**	

	सीधा, वर्णनात्मक विश्लेषण (गहन आलोचना या तुलनात्मक अध्ययन की अपेक्षा नहीं)। • **रिपोर्ट लेखन: प्रोजेक्ट रिपोर्ट की सरल संरचना (परिचय, मुख्य भाग, निष्कर्ष), संदर्भ-ग्रंथ सूची का सामान्य निर्माण, और साहित्यिक चोरी से बचाव के मूल सिद्धांत।**	

रिसर्च रिपोर्ट	**अंक = 50**
मौखिक प्रस्तुति (viva-voce) एवं आन्तरिक मूल्यांकन :	**अंक = 50**
	कुल अंक = 100

- The student straight away will be awarded 25 marks if he publishes a research paper on the topic of Research Project

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020903TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - वैदिक साहित्य एवं शिक्षा (वेद वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सूक्तों के माध्यम से मुख्यतः ऋग्वेद व अथर्ववेद के मूलतत्व को समझाना है। पाणिनीय शिक्षा में वर्णित वर्णोच्चारण सम्बन्धी नियमों व वैदिक छदों से परिचित होकर महर्षि पाणिनि की वैज्ञानिकता को समझना है।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**ऋग्वेद सूक्त – अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71), पर्जन्य (5.83)** **अथर्ववेद सूक्त – राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), काल (10.53)**	**18**
II.	**ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका (सायणभाष्य)** **ऋग्वेद की श्रेष्ठता,** **यजुर्वेद के प्रथम व्याख्यान का कारण, वेदों का अस्तित्व, वेदांगों का महत्व**	**18**
III.	**पाणिनीय शिक्षा (1 से 30)**	**12**
IV.	**पाणिनीय शिक्षा (31 से 60)**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से 5 मन्त्रों का हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या किसी एक देवता का परिचय किसी एक मन्त्र का पदपाठ	4×5 = 20 1×5 = 05 1 X 5 = 05
द्वितीय इकाई से टिप्पणीपरक 3 प्रश्न	5 X 3 = 15
तृतीय व चतुर्थ इकाई से हिंदी अनुवाद एवं व्याख्या	6 X 5 = 30
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक

	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. ऋग्वेदसंहिता (सायणभाष्यसहित) भाग 1- 4, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नईदिल्ली।
2. ऋग्वेद सायण-भाष्य-संहिता भाग 1-5 (प्र.सम्पादक) नारायणरामासीनोटनवेक, वैदिकसंशोधनमंडल पूना, 1933-51.
3. ऋग्वेदसंहिता - (सम्पूर्ण) (अनुवादक) पं. दामोदरसातवलेकर, पारडी, 1947-52.
4. क्रमसूक्तसौभ - डॉ आर० के० ली, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
5. क्रग्सुक्तसंग्रह - हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
6. अथर्ववेद भाषाभाष्य - दयानन्द संस्थान दिल्ली
7. अथर्ववेदसंहिता (सायणभाष्य)-रामस्वरूप गौड़, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. ऋग्वेदभाष्यभूमिका (हिंदी)-श्री जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा संस्थान वाराणसी
9. ऋग्वेदभाष्यभूमिका (सायण)-भारतीय विद्या प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली
10. पाणिनीयशिक्षा, व्याख्याकार, शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2012.
11. पाणिनीय शिक्षा (सम्पादक) विद्यासागर डॉ दामोदर मेहत, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020904TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - उपनिषद् साहित्य एवं निरुक्त (वेद वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य दार्शनिक मूल्यों को प्रस्तुत करना है। मुख्य रूप से कठोपनिषद् में वर्णित यम-नचिकेता सम्वाद व तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली में आचार्य द्वारा अन्तेवासी को दिये जाने वाले उपदेश से छात्र शान्ति, सद्भाव के लिए अपने ज्ञान को दिन-प्रतिदिन के व्यावहारिक जीवन में लागू करने में सक्षम हो सकेंगे और इसी के साथ निरुक्त अध्ययन से पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान बड़ा सकेंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**कठोपनिषद् (सम्पूर्ण)**	**15**
II.	**तैत्तिरीयोपनिषद्- शिक्षावल्ली**	**15**
III.	**निरुक्त - सप्तम अध्याय**	**15**
IV.	**निर्वचन – आचार्य, वृत्र, वीर, हृद्, गौ, समुद्र, आदित्य, उषस् , मेघ, वाक्, उदक्, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, नदी, निघण्टु।**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम व द्वितीय इकाई से 8 मन्त्रों का हिंदी अनुवाद एवं व्याख्या	5×8= 40
तृतीय इकाई से अनुवाद एवं व्याख्या	4×5= 20
चतुर्थ इकाई से 5 निर्वचन	3×5 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. कठोपनिषद् (सम्पादक) आचार्य डॉ सुरेन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी,
2. कठोपनिषद् (सम्पादक) डॉ पुष्पा गुप्ता, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली
3. तैत्तिरीयोपनिषद् तत्व विवेचनी हिंदी व्याख्या सहित - त्रिभुवन दास
4. निरुक्त -डॉ श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्यभंडार, मेरठ।
5. निरुक्तम् (कश्यपप्रज्ञापाणिकृत-निघण्टुभाष्यरूपम्), पं. मुकुंद झा बख्शी, जो खम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, 2012
6. निरुक्त -दैवतकाण्ड 7-12, (सम्पादक) सीतारामशास्त्री, परिमल पब्लिकेशनस दिल्ली, 1995
7. चौबे,ब्रजविहारी. (सम्पा.)संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, प्रथम खण्ड, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, 1996

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020905TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - यजुर्वेद, अथर्ववेद एवं प्रातिशाख्य (वेद वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

-

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**यजुर्वेद (अध्याय – 1 एवं 32)**	**14**
II.	**अथर्ववेद – ओषधी (2.27) , सीता (3.71) , केन (10.2)**	**14**
III.	**वाजसनेयिप्रातिशाख्य (अध्याय – 2 व 3)**	**15**
IV.	**वैदिक व्याख्या** **प्राच्य पद्धति** **क. वेदव्याख्यान परम्परा** **ख. प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार – सायण, महर्षि दयानंद, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूधन ओझा , आनंद कुमार स्वामी, कपाली शास्त्री, आर० एन० दाण्डेकर**	**17**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम व द्वितीय इकाई से 8 मन्त्रों का हिंदी अनुवाद एवं व्याख्या	5×8= 40
तृतीय इकाई से अनुवाद एवं व्याख्या	4×5= 20
चतुर्थ इकाई से 5 निर्वचन	3×5 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020906TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक – काव्यशास्त्र (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत के कवियों, समीक्षाकों एवं काव्यविदों का परिचय कराना है। काव्य के मूल तत्वों की विवेचना एवं तत्सम्बद्ध सामान्य रस, दोष तथा अलंकारों का भी ज्ञान कराना है। पाठ्यक्रम के पूर्ण अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों में काव्य को समझने की परख का विकास होगा तथा वे काव्य के गुण-दो, अलंकारों को समझने में सक्षम हो सकेंगे।

Unit	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
XI.	**सप्तम उल्लास - कारिका 82 से लेकर अंतिम कारिका तक**	**15**
XII.	**अष्टम एवं नवम उल्लास**	**17**
XIII.	**दशम उल्लास – अलंकारों के लक्षण, उदाहरण एवं भेद – उपमा व उसके भेद, रूपक अप्रस्तुतप्रशंसा, अपह्नुति, दीपक, तुल्ययोगिता, दृष्टान्त, यमक, चित्रालंकार, श्लेष, अनुप्रास, वक्रोक्ति, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विभावना, संसृष्टि, भ्रान्तिमान, पर्यायोक्ति, परिसंख्या, उत्प्रेक्षा, सन्देह**	**16**
XIV.	**समीक्षात्मक प्रश्न**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो कारिकाओं की व्याख्या 1 दीर्घ प्रश्न पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी	5 X 2 = 10 5 X 1 = 5 2½ X 2 = 5
द्वितीय इकाई से दो कारिकाओं की व्याख्या 1 दीर्घ प्रश्न पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी	5 X 2 = 10 5 X 1 = 5 2½ X 2 = 5
तृतीय इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या दीर्घ प्रश्न (नाटककार से सम्बन्धित)	7 X 2 = 14 6 X 1 = 6

चतुर्थ इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या दीर्घ प्रश्न	5 X 2 = 10 5 X 1 = 5
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. काव्यप्रकाश – श्री निवास शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ
2. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
3. काव्यप्रकाश – सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. काव्यप्रकाश – पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5. काव्यप्रकाश – सीताराम ढोलिया, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – पी०वी० काणे, हिन्दी अनु० मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
7. काव्य प्रकाश – बालवोधिनी टीका (झलकीकर) पूरा संस्करण

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020907TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - साहित्यालोक (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य संस्कृत साहित्य के अमृतपूर्ण वैशिष्ट्य से ओतप्रोत ग्रन्थों से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। कादम्बरी कथामुखम्, नैषधीयचरितम् तथा विक्रमांकदेव चरितम् सदृश ग्रन्थों के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य में निहित वर्ण्यवैशिष्ट्य तथा साहित्यिक सौन्दर्य से परिचित हो सकेंगे।

Unit इकाई	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I.	**कादम्बरी कथामुखम् (प्रस्ताविक पद्य, शुकवर्णन, चाण्डालकन्या वर्णन, विन्ध्याटवी वर्णन, शाल्मलिवृक्ष वर्णन, जाबालिवर्णन)।**	**18**
II.	**नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)**	**15**
III.	**विक्रमांकदेव चरितम् (प्रथम सर्ग)**	**15**
IV.	**समीक्षात्मक प्रश्न**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो गद्यांशों की व्याख्या	12x2 = 24
द्वितीय इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या	9x2 =18
तृतीय इकाई से दो व्याख्या	7½x2 = 15
प्रत्येक इकाई से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	6x3 = 18
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूल ग्रन्थ :

1. कादम्बरी - देवर्षि सनाढ्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. कादम्बरी- मथुरानाथ शास्त्री, निर्णयसागर प्रेस, बाम्बे।
3. नैषधीयचरितम् नारायणीटीकोपेतम्, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
4. नैषधीयचरितम् – शेषराज शर्मा रेग्मी
5. नैषधचरितिलनम् - डा० चण्डिका प्रसाद शुक्ल
6. विक्रमांकदेव चरितम् (प्रथम सर्ग) श्री शेषराज शर्मा रेग्मी चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. विक्रमांकदेव चरितम् - डा० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
8. Kadambari – P.V. Kane, Oriental Book Agency Pune

सहायक ग्रन्थ :

1. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन वासुदेवशरण अग्रवाल, चौखम्बा।
2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन अमरनाथ पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी 1974
3. नैषध समीक्षा – देव नारायण झा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली ।
4. नैषध परिशीलन-चण्डिका प्रसाद शुक्ल हिन्दुस्तान एकेडमी : इलाहाबाद 1960
5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास (चतुर्थ खण्ड) सं0 प्रो0 राघावल्लभ त्रिपाठी उप्र० संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
6. BANA a Study Meela Sharma, Delhi.
7. Naishadh and Sri Harish – Neelkamal Bhattacharya, Saraswati Bhawan Studies, Varanasi
8. History of Classical Sanskrit Literature Krishnamacharnar, Varanasi

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020908TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक – रूपकालोक (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस प्रश्नपत्र का मुख्य उद्देश्य साहित्य के विद्यार्थियों को रूपक साहित्य के ज्ञान से अवगत कराना है। इससे विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य (रूपक) को सामान्य रूप से समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे। नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे। साथ ही भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर भारतीय ज्ञान को समझ सकेंगे।

Unit इकाई	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I.	**मृच्छकटिकम् (1 – 5 अंक)**	**18**
II.	**वेणी संहार (प्रथम अंक)**	**15**
III.	**मुद्राराक्षस (प्रथम अंक)**	**15**
IV.	**समीक्षात्मक प्रश्न**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	12 x 2 = 24
द्वितीय इकाई से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	9 X 2 = 18
तृतीय इकाई से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	7 ½ X 2 = 15
प्रत्येक इकाई से सम्बन्धित तीन समीक्षात्मक प्रश्न	4 X 3 = 12
नाट्य सम्बन्धी पारिभाषिक शब्द	2 X 3 = 06
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूल ग्रन्थ :

1. मृच्छकटिकम् – (पृथ्वी धरकृत टीका सहित) निर्णय सागर प्रेस, बम्बई
2. मृच्छकटिकम् – विश्वनाथ शर्मा हंसा प्रकाशन जयपुर
3. मृच्छकटिकम् – डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
4. वेणी संहारनाटकम – रमाशंकर त्रिपाठी चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
5. वेणीसंहारनाटकम – 'प्रबोधिनी' संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेत चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
6. मुद्राराक्षस नाटकम् – डॉ० सत्यव्रत सिंह कृत शशिकला, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
7. MRICHCHAKATIKA of Sudraka by M.R. Kale चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
8. Venisamhara translation by C. Sonkar Rama Sastai चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी

सहायक ग्रंथ :

1. संस्कृत नाटक ए०बी० कीथ (अनु उदयमान सिंह) मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली 1965
2. मृच्छकटिक शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन शालिग्राम द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
3. संस्कृत नाटककार, कान्ति किशोर भरतिया, सूचना विभाग उ०प्र० 1959
4. Introduction to the Study of Mraccakattika Popular Prakashan Bombay.
5. राजशेखर के रूपकों में प्रेम एवं सौन्दर्य - डॉ० आशारानी पाण्डेय, निखिल प्रकाशन, आगरा
6. मृच्छकटिक प्रकरण एक सांस्कृतिक चिन्तन - डॉ० पुष्पा यादव, आशा प्रकाशन, कानपुर

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020909TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - योग एवं वेदान्त (दर्शन वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन की दो बहुत महत्वपूर्ण शाखाओं - योग और वेदान्त का गहनता से ज्ञान कराना है, जिससे वे भारत की विचार परम्परा की इन दो धाराओं को सम्यक् रूपेण जान सकें।
- पातंजल योग सूत्र पर व्यासभाष्य विद्यार्थियों को योग का गाम्भीर्यपूर्ण एवं विवेचनात्मक चिन्तन प्रदान करता है, इससे वे विषय का गहन रूप से ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- योग-दर्शन और वेदान्त दर्शन की पदार्थ मीमांसा एवं प्रमाण-मीमांसा से भी विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- आधुनिक समय में योग के व्यवहारिक पक्ष के साथ सैद्धान्तिक पक्ष को भी जानना अति आवश्यक है, तभी इस दर्शन का विद्यार्थियों को सम्यक् बोध होगा। यह ग्रंथ इस अपूर्णता को पूर्ण करता है।
- वेदान्त दर्शन के सुगम अवरोह हेतु वेदान्तपरिभाषा, विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपादेय ग्रंथ है। यह ग्रंथ विद्यार्थियों के प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के उच्चतम चिन्तन-वेदान्त के सिद्धान्तों को जानने में सहायक होगा।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**योग सूत्र (समाधिपाद – व्यास भाष्य सहित)**	**15**
II.	**योग सूत्र (साधनपाद – व्यास भाष्य सहित)**	**15**
III.	**वेदान्त परिभाषा (प्रारम्भ से आगम पर्यन्त)**	**15**
IV.	**वेदान्त परिभाषा (अर्थापत्ति से प्रयोजन पर्यन्त)**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो व्याख्या	8 X 2 = 16
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	8 X 2 = 16
तृतीय इकाई से एक व्याख्या	10 X 1 = 10
चतुर्थ इकाई से एक व्याख्या	10 X 1 = 10
योग सूत्र से विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (दो विकल्पों में से) एक	8

वेदान्त परिभाषा से विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (तीन विकल्पों में से कोई दो)	7½ X 2 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूल ग्रंथ व्याख्या :

1. **योगदर्शनम् - उदयवीर शास्त्री, विरजानन्द वैदिक संस्थान, ज्वालामुखी**
2. **पातंजलयोगदर्शनम् - व्याख्याकार, सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी**
3. **पातंजल योगदर्शनम्, व्याख्याकार स्वामी हरिहरानन्द 'आरण्यक', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली**
4. **योगसूत्रम् - अनुवादक रमाशंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 5- Yogasutram – Patanjali, J.R. Ballantyne, Pious Book Corp., Delhi**
5. **वेदान्तपरिभाषा – धर्मराजश्वरीप्रणीता, डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर**
6. **Vedanta Paribhasa – Dharmaraja Adhvarindrda by Gopinath Bhattacharya and Prabal Kumar Sen, University of Calcutta**
7. **Vedanta Paribhasa – Dharmaraja Adhvarindra Translated by Swami Madhavananda**

सहायक ग्रंथ :

1. **शर्मा चन्द्रधर - भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली**
2. **शर्मा, राममूर्ति : अद्वैत वेदान्त : इतिहास तथा सिद्धान्त, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली**

.

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020910TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - न्याय एवं वैशेषिक दर्शन (दर्शन वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- न्यायदर्शन भारत के प्रमुख छः वैदिक दर्शनों में से एक है। न्यायसूत्र न्यायदर्शन का सबसे प्राचीन ग्रंथ है, जिसके प्रवर्तक ऋषि अक्षपाद गौतम है। "नीयते विवक्षितार्थः अनेन इति न्यायः' जिस साधन के द्वारा हम अपने विवक्षित (ज्ञेय) तत्व के पास पहुँच जाते हैं व उसे जान पाते हैं, वही साधन न्याय है। इस प्रकार न्याय को दर्शन का प्रवेश द्वार कहा जा सकता है, जिसे जानना अति आवश्यक है।
- न्याय और इसके युग्म वैशेषिक दर्शन, जिसके प्रवर्तक कणाद मुनि है, के मूलभूत सिद्धान्तों को समझने में पाठ्यक्रम के दोनों ग्रंथ न्यायसूत्र (न्यायभाष्य सहित) एवं प्रशस्तपाद- भाष्य, अत्यन्त सहायक है।
- इन ग्रंथों के अध्ययन से उक्त दर्शनों की प्रमुख अवधारणाओं को समझने में सहायता मिलेगी।
- दोनो ग्रंथों की प्रमाण-मीमांसा के अध्ययन से विद्यार्थियों की तर्कक्षमता एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- साथ ही भारतीय दर्शन में न्याय-वैशेषिक की भूमिका को जानने एवं सत्य को प्राप्त करने में विद्यार्थियों को सहायता प्राप्त होगी।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**न्यायसूत्र एवं न्यायभाष्य – प्रथम अध्याय (प्रथम आह्निक) सूत्र संख्या (1 से 60 पर्यन्त)**	**15**
II.	**न्यायसूत्र एवं न्यायभाष्य – प्रथम अध्याय (प्रथम आह्निक) सूत्र संख्या (61 से 82 पर्यन्त) एवं द्वितीय आह्निक**	**15**
III.	**प्रशस्तपादभाष्य – प्रथम अध्याय (प्रारम्भ से मनः प्रकरण पर्यन्त)**	**15**
IV.	**प्रशस्तपादभाष्य – प्रथम अध्याय (साधर्म्यप्रकरण से परत्वापरत्व प्रकरण पर्यन्त)**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से एक व्याख्या	**10 X 1 = 10**
द्वितीय इकाई से एक व्याख्या	**10 X 1 = 10**
तृतीय इकाई से एक व्याख्या	**10 X 1 = 10**

चतुर्थ इकाई से एक व्याख्या	**10 X 1 = 10**
प्रथम दो इकाई से दो विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (तीन में से कोई दो) तथा अंतिम दो इकाई से दो विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (तीन में से कोई दो)	**10 X2 = 20** **7½ X 2 = 15**
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूल ग्रंथ व्याख्या :

1. न्यायसूत्र एवं न्यायमाथ - प्रथम अध्याय - आचार्य दुण्डिराज शास्त्री विनिर्मित प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. प्रशस्तपादभाष्य - श्री दुर्गाधर झा कृत हिन्दी व्याख्या
3. न्यायदर्शनम् - आचार्य उदयवीर शास्त्री, विरजानन्द वैदिक संस्थान, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
4. प्रशस्तपादभाष्यम् - 'प्रकाशिका' हिन्दी व्याख्याविभूषितम्, आचार्य दुण्डिराज शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टल प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन - डॉ० जगदीश चन्द मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** IX **सेमेस्टर-** नवम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A020911TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - सांख्य एवं योग (दर्शन वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वाचस्पति मिश्र के सांख्य – तत्त्वकौमुदी और पातंजल योग – इन दो सूत्र ग्रंथों के माध्यम से सांख्य और योग इस युग्म दर्शन के सिद्धान्तों का विस्तृत और गहन बोध कराना है।
- इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी भारतीय दर्शन परम्परा की इन दो शाखाओं का विश्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सांख्य और योग दर्शन के सिद्धान्तों के वैज्ञानिक विवेचन से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- सांख्य और योग की ज्ञान-मीमांसा, सृष्टिक्रम एवं प्रलय, प्रमाणमीमांसा आदि सिद्धान्तों का अवबोध विद्यार्थी गहनता से कर सकेंगे।
- भारतीय चिन्तन परम्परा में उक्त दो मतों का स्थान एवं अवदान विद्यार्थियों को बोधगम्य होगा।

Unit इकाई	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I.	**सांख्यतत्त्वकौमुदी – वाचस्पति मिश्र (कारिका 1 से 36)**	**16**
II.	**सांख्यतत्त्वकौमुदी – वाचस्पति मिश्र (कारिका 37 से 72)**	**16**
III.	**योगसूत्र – पतंजलि (विभूतिपाद) व्यासभाष्य सहित**	**14**
IV.	**योग सूत्र – पतंजलि (कैवल्यपाद) व्यासभाष्य सहित**	**14**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो व्याख्या	8 X 2 = 16
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	8 X 2 = 16
तृतीय इकाई से एक व्याख्या	10 X 1 = 10
चतुर्थ इकाई से एक व्याख्या	10 X 1 = 10
सांख्यतत्त्वकौमुदी से समीक्षा एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (दो विकल्पों में से कोई एक)	8 X 1 = 8
तीसरी एवं चतुर्थ इकाई से एक एक प्रश्न	7 ½ X 2 = 15

	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25
संस्कृत ग्रंथ : 1.	

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021001TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक – व्याकरण एवं वाक्यपदीयम्**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

-

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**सुबन्त – रूप सिद्धि एवं सूत्र व्याख्या (सिद्धांत कौमुदी के अनुसार)** **(विश्वपा, नदी, धेनु, मातृ, पितृ, मधु, गौ)**	**18**
II.	**हलन्त – रूप सिद्धि एवं सूत्र व्याख्या (सिद्धांत कौमुदी के अनुसार)** **लिह् , विश्ववाह् , विद्वस् , तत् , मधवन्**	**16**
III.	**वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)** **स्फोट का स्वरूप, शब्द ब्रह्म का स्वरूप व शक्तियां स्फोट एवं ध्वनि का सम्बन्ध**	**16**
IV.	**विसर्ग सन्धि (सिद्धांत कौमुदी के अनुसार)** **प्रत्ययान्त – णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त**	**10**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से तीन रूप सिद्धि एवं दो सूत्र व्याख्या	4X3 = 12 4X2 = 8
प्रथम इकाई से दो रूप सिद्धि एवं दो सूत्र व्याख्या	4X 2 = 8 4X 2 = 8
वाक्यपदीयम् से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न एवं एक लघु उत्तरीय प्रश्न	10X2 = 20 5X1 = 5
चतुर्थ इकाई	14 अंक
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. वैयाकरण सिद्धांत कौमुदी (बालमनोरमातत्त्वबोधिनी टीका) – गिरिधरशर्म चतुर्वेद एवं परमेश्वरानंद शर्मा, दिल्ली
2. वैयाकरण सिद्धांत कौमुदी- सविमर्श – रत्नप्रभा हिन्दी व्याख्या सहित – श्री बालकृष्ण पंचोली, चौखंभा संस्कृत संस्थान, वाराणसी – 1987
3. वैयाकरण सिद्धांत कौमुदी – गोविंदाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी – 2010
4. वैयाकरण सिद्धांत कौमुदी – शिवनारायण शास्त्री, दिल्ली – 1989
5. वाक्यपदीयम् - सायणभाष्य
6. वाक्यपदीयम् – भर्तृहरि

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021002RN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - लघुशोध (Dissertation)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 50+50	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- छात्र किसी विशिष्ट शोध प्रश्न या समस्या को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर पाएंगे।
- छात्र अपने शोध विषय से संबंधित मौजूदा साहित्य और सिद्धांतों का गहन विश्लेषण कर सकेंगे।
- छात्र अपने शोध प्रश्न का उत्तर देने के लिए उपयुक्त अनुसंधान पद्धतियों (जैसे गुणात्मक, मात्रात्मक, या मिश्रित) का चयन और अनुप्रयोग कर पाएंगे।
- छात्र डेटा एकत्र करने, उसका विश्लेषण करने और प्राप्त निष्कर्षों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे।
- छात्र अपने शोध कार्य के आधार पर तार्किक रूप से संरचित और अकादमिक रूप से सुसंगत एक लिखित शोध प्रबंध (डिसर्टेशन) तैयार कर सकेंगे।
- छात्र शोध प्रक्रिया के दौरान अकादमिक ईमानदारी और नैतिक सिद्धांतों का पालन करेंगे, जिसमें साहित्यिक चोरी से बचना और स्रोतों का सही ढंग से उल्लेख करना शामिल है।
- छात्र अपने शोध निष्कर्षों और तर्कों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से मौखिक तथा लिखित रूप में प्रस्तुत कर पाएंगे।
- छात्र स्वतंत्र रूप से काम करने और गंभीर रूप से सोचने की क्षमता विकसित करेंगे, जिससे वे जटिल समस्याओं का समाधान ढूंढ सकें।
- छात्र अपने क्षेत्र में ज्ञान के मौजूदा भंडार में योगदान करने या किसी विशिष्ट समस्या के लिए व्यावहारिक समाधान सुझाने में सक्षम होंगे।

Unit	Topics पाठ्यविषय
	❖ **अनुसंधान का परिचय और विषय चयन (Introduction to Research and Topic Selection)** ❖ **शोध प्रस्ताव का विकास (Preparation of Research Proposal)** ❖ **साहित्य समीक्षा और सैद्धांतिक ढाँचा (Literature Review and Theoretical Framework)**

	❖ **अनुसंधान कार्यप्रणाली (Research Methodology)** ❖ **अनुसंधान में नैतिकता और अकादमिक ईमानदारी (Ethics and Academic Integrity in Research)** ❖ **डिज़र्टेशन/लघु शोध लेखन और प्रस्तुति (Dissertation/Research Paper Writing and Presentation)**

Note :

- The student shall submit a dissertation for evaluation at the end of the Semester, which will be therefore of 4 credits and 100 marks (50+50)
- Dissertation shall be submitted that shall be evaluated via seminar/presentation and viva-voce
- The student straight away will be awarded 25 marks if he publishes a research paper on the topic of Dissertation.

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021003TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - ब्राह्मण व आरण्यक साहित्य (वेद वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणग्रन्थ व आरण्यक ग्रन्थों के परिचय के साथ ही उनमें निहित सरल आख्यान द्वारा जीवन के गूढ़ तत्वों का ज्ञान कराना है। वैदिक वांग्मय के ज्ञान से छात्र भारतीय शास्त्र परम्परा पर गौरवानुभूति कर सकेंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**ऐतरेयब्राह्मण- (अध्याय 33) -हरिश्चन्द्रोपाख्यान (शुनःशेप)**	**15**
II.	**शतपथ ब्राह्मण- वांगमनसु, मृत्यु एवं श्रद्धा आख्यान**	**15**
III.	**ऐतरेय आरण्यक (अध्याय3)-संहिता,पदपाठ,स्वर,व्यंजनादि स्वरूप**	**15**
IV.	**तैत्तिरीय आरण्यक (2प्रपाठक)-अग्निहोत्र,पञ्चमहाज्ञ**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम व द्वितीय इकाई से 5 गद्य का हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या	7x5 = 35
तृतीय इकाई से टिप्पणीपरक 5 प्रश्न	2x5 = 10
चतुर्थ इकाई से 4 मन्त्र व्याख्या एवं टिप्पणी	5x4 = 20 5x2 = 10
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. ऐतरेयब्राह्मण-सायण-भाष्य सहित, आनन्दाश्रम पूना, 1931
2. ऐतरेयब्राह्मण-सायणभाष्य एवं "शास्त्रिप्रभा" हिन्दी व्याख्या विभूषित,व्याख्याकार-डॉ जमुना पाठक (1-2भाग सम्पूर्ण)
3. हरिश्चंद्रोपाख्यान (सायणभाष्यसहित) प्रकाश हिन्दी टीका, व्या० डॉ उमा शंकर शर्मा ऋषि
4. शतपथब्राह्मण-सायण-भाष्य सहित, सत्यव्रत सामश्रमी, कलकत्ता, 1903
5. ऐतरेय आरण्यक - सायण-भाष्य सहित, आनन्दाश्रम पूना, 1898
6. तैत्तिरीय आरण्यक-सायण-भाष्यसहित, राजेन्द्र लाल मित्र कलकत्ता 1872

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021004TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - ऋग्वैदिक संवादसूक्त एवं निरुक्त (वेद वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- प्रस्तुत ऋग्वैदिक संवादसूक्तों के माध्यम से छात्र, गूढ़ दार्शनिक, रहस्यात्मक व नैतिक तथ्यों को सुचिपूर्वक जानने का प्रयास करेंगे। वेदों के सर्वाधिक गूढ़ अर्थ वाले देवता वाचक शब्दों के गहन चिंतन के लिए निरुक्त अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**पुरूरवा - उर्वशी, यम - यमी संवाद सूक्त**	**18**
II.	**सरमा - पणि, विश्वामित्र - नदी संवाद सूक्त**	**14**
III.	**निरुक्त 12 वां अध्याय**	**16**
IV.	**पारस्कर गृह्यसूत्र (प्रथम कांड)**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम व द्वितीय इकाई से 5 मन्त्र व्याख्या	7x5 = 35
तृतीय इकाई से 5 हिंदी अनुवाद एवं व्याख्या	4x5 = 20
चतुर्थ इकाई से 3 की हिंदी व्याख्या एवं 2 टिप्पणी	3x5 = 15 2.5x2 = 05
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ :

1. ऋग्वेदसंहिता (सायणभाष्यसहिता) भाग 1 - 4, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नईदिल्ली।
2. ऋग्वेदसंहिता - स्वामी दयानन्द एवं आर्यमुनि कृत संस्कृत - हिंदी भाष्य
3. निरुक्त चन्द्रमणि विधालांकार, हिन्दी अनुवाद
4. निरुक्तालोचन - सत्यव्रत सामश्रमी
5. निरुक्त-पञ्चाध्यायी - (व्याख्याकार) महामहोपाध्याय छज्जूरामशास्त्री, मेहरचंद लक्ष्मनदास पब्लिकेशन्स दिल्ली, 1985
6. निरुक्त - यास्क, टीकाद्वय-सहित (सम्पादक) लक्षमणस्वरूप, भागा-II, दिल्ली, 1982
7. पारस्कर गृह्यसूत्र - हरिहर भाष्य एवं हिन्दी, ओमप्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा, वाराणसी
8. पारस्कर गृह्यसूत्रम्- हरिहर गदाधर भाष्यद्वयोपेतम् हिन्दी व्याख्योपेतम्, व्याख्याकार - जगदीशचन्द्रमित्र चौखम्बा सुरभारतीप्रकाशन।

सहायकग्रन्थ :

1. कृष्णलाल - गृहसूत्र और उनका विनियोग, दिल्ली।
2. शशिप्रभा, कुमार - वैदिकविमर्श, जे.पी.-पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली, 1996
3. वेद पारिजात, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 2014
4. Apte, V.M. - Social Life in the Gṛhya Sutra's.
5. Pandey, Raj Bali - Hindu Samsara's (English and Hindi Versions), Chaukhambha, Delhi.

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021005TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - वैदिकव्याख्यान पद्धतियाँ एवं इतिहास (वेद वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- यह पाठ्यक्रम प्रसिद्ध भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा के प्राचीन व आधुनिक वैदिक विद्वानों के विचारों का परिचय देता है। इसका उद्देश्य वैदिक - वैदिक और सांस्कृतिक ज्ञान प्रदान करना है। इससे छात्र प्राचीन व आधुनिक व्याख्याकारों के विभिन्न एवं महत्वपूर्ण सिद्धान्तों को समझने में सक्षम हो सकेंगे जिसके परिणामस्वरूप वैदिक ग्रंथों की मूल प्रकृति के बारे में व्यापक दृष्टि बनेगी तथा साथ में ही छात्र वैदिक कालनिर्धारण में भी समर्थ हो सकेंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**वैदिक व्याख्या - प्राच्य पद्धति** • **वेद व्याख्यान परम्परा, प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार - सायण, दयानन्द, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूदनओझा, आनन्दकुमार स्वामी, कपालीशास्त्री, आर.एन.दाण्डेकर इत्यादि।**	**16**
II.	**प्रतीच्यपद्धति** • **पाश्चात्य विद्वानों का योगदान, विशेषत - रॉथ बरोन, लुडविग, गेल्डनर, मैक्समूलर, हिलेब्रान्ट, ग्रिफिथ, विल्सन इत्यादि।**	**16**
III.	**वैदिक व्याकरण** • **वैदिकसंधि (आन्तरिक एवं बाह्य), शब्दरूप एवं धातुरूप, वैदिकस्वर एवं पदपाठ। वैदिक चिन्तन - वैदिक देवता, वेदों की अपौरुषेयता एवं नित्यता, वैदिक दर्शन**	**16**
IV.	**वैदिक कालनिर्धारण** • **मैक्समूलर, ए वेबर, जैकोबी, बाल गंगाधर तिलक, भारतीय परंपरागत विचार**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रत्येक इकाई से 4 दीर्घ प्रश्न	12x4 = 48
प्रत्येक इकाई से 4 टिप्पणी	5x4 = 20
किन्हीं 2 वैदिक विद्वानों का परिचय	3.5x2 = 07
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

मूलग्रन्थ:

1. ऋग्वेदभाष्यभूमिका - सायण, (सम्पादक) वीरेन्द्र कुमारवर्मा, चौखम्बा ओरियन्टालिया वाराणसी, 1980
2. ऋग्वेदभाष्यभूमिका - सायण, (सम्पादक) श्रीकण्ठपाण्डे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1985
3. वेदभाष्यभूमिकासंग्रह - बलदेव उपाध्याय, बनारस, 1934.

सहायकग्रन्थ:

1. श्रीअरविन्द - वेदरहस्यम्, अनुवादक - आचार्य अभयदेव वि घालंकार एवं जगन्नाथ वेदालंकार, श्री अरविन्द आश्रम, पुदुच्चेरी, 2009.
2. उपाध्याय, बलदेव - वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा संस्थान, वाराणसी।
3. उपाध्याय, बलदेव - संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - प्रथमभाग (वेद) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
4. उपाध्याय, बलदेव - संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास - द्वितीय भाग (वेदांग) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
5. चतुर्वेदी, गिरिधर शर्मा - वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1972.
6. त्रिपाठी, गयाचरण - वैदिक देवता उद्भव और विकास, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
7. द्विवेदी, कपिलदेव - वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचमसंस्करन 2010.
8. पं.भगवद्दत्त - वैदिक वाङ्मय का इतिहास - खण्ड 1-3, परिवर्धेक तथा सम्पादक - सत्यश्रवा एम. ए., विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली, 2008.
9. पाण्डेय, गोविन्दचन्द्र - वैदिकसंस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. डॉ.फतेहसिंह - वैदिकदर्शन, संस्कृतग्रन्थ, कोटा, 1999.
11. शर्मा, मुंशीराम - वेदार्थचंद्रिका, चौखम्बा विद्याभवन, 1967.
12. शशि तिवारी, वेदव्याख्यापद्धतयः, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2014.
13. Dandekar, R.N. - Vedic Religion & Mythology: A Survey of the Works of Some Western Scholars, Univ. of Poona, Poona, 1965.
14. MacDonnell, A.A. - Brhaddevata, M.L.B.D., 1965

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021006TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - नाटक एवं नाट्य साहित्य (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य साहित्य के विद्यार्थियों को रत्नावली के साथ दशरूपक के नाट्यसिद्धान्तों से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को नाट्यशास्त्रीय सिद्धान्तों से अवगत कराने में सहयोग प्रदान करेगा।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**दशरूपक (धनंजयकृत) (प्रथम व द्वितीय प्रकाश)**	**14**
II.	**दशरूपक (धनंजयकृत) (तृतीय व चतुर्थ प्रकाश)**	**14**
III.	**रत्नावली (प्रथम, द्वितीय अंक)**	**16**
IV.	**रत्नावली (तृतीय, चतुर्थ अंक)**	**16**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो कारिकाओं की व्याख्या एक दीर्घ प्रश्न पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी	**5 X 2 = 10** **5 X 1 = 05** **2½ X 2 = 05**
द्वितीय इकाई से दो कारिकाओं की व्याख्या एक दीर्घ प्रश्न पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी	**5 X 2 = 10** **5 X 1 = 05** **2½ X 2 = 05**
तृतीय इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या दीर्घ प्रश्न (नाटककार से सम्बन्धित)	**7 x 2 = 14** **6 x 1 = 06**
चतुर्थ इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या दीर्घ प्रश्न	**5 x 2 = 10** **5 x 1 = 05**
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक

	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. दशरूपकम् (अवलोकसहितम्) धनंजय आचार्य श्रीनिवास शास्त्री
2. दशरूपकम् (अवलोकाटीकायुतम्) धनंजय डॉ० भोलाशंकर व्यास
3. रत्नावली नाटिका - मेहरचन्द्र लक्ष्मणदास प्रकाशन नई दिल्ली
4. रत्नावली नाटिका - श्री रामचन्द्र मिश्र चौखम्भा अमर भारती प्रकाशन नई दिल्ली

सहायक ग्रंथ :

1. संस्कृत नाट्य सौरभ - जी०के० भट्ट
2. संस्कृत ड्रामाटिस्ट - के०पी० कुलकर्णी
3. भारतीय नाट्य शास्त्र की परम्परा और दशरूपक - हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. नाट्यशास्त्र - रघुवंश- मोतीलाल बनारसी दास वाराणसी
5. Sanskrit Drama and Dramatology - T.G. Mainkar Azanta Publication, Delhi

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021007TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - आधुनिक संस्कृत काव्य (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक संस्कृत काल सम्बन्धी कतिपय महत्त्वपूर्ण ग्रंथों का अध्ययन कराना है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी निश्चितरूप से संस्कृत काव्य की अनवरत लेखन परम्परा से परिचित हो सकेंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**कुमार विजय - प्रो० रेवा प्रसाद द्विवेदी (षष्ठ सर्ग)**	**16**
II.	**रात्रिर्गमिष्यति - डॉ० रमाशंकर अवस्थी (प्रथम सर्ग)**	**16**
III.	**इक्षुगन्धा - प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र**	**16**
IV.	**कवि परिचय तथा आलोचनात्मक प्रश्न**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो व्याख्या	**10 x 2 = 20**
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	**10 x 2 = 20**
तृतीय इकाई से दो व्याख्या	**10 x 2 = 20**
चतुर्थ इकाई से कवि परिचय सम्बन्धी दो प्रश्न	**5 x 2 = 10**
आलोचना सम्बन्धी एक प्रश्न	**5 x 1 = 05**
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. कुमार विजयम - प्रो० रेवा प्रसाद द्विवेदी
2. रात्रिनिर्गच्छति - डॉ० रमाशंकर अवस्थी
3. इषुगन्धा - प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र

संस्कृत ग्रन्थ :

1. संस्कृत साहित्य - बीसवीं शता० - डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी - राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान जनकपुरी, नई दिल्ली।
2. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास (वृहद्) (सप्तम खण्ड) डॉ० बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - राजशेखर पाण्डेय
4. आधुनिक संस्कृतसाहित्येतिहास: - देवर्षि कालनाथ शास्त्री

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021008TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - महाकाव्य सौरभम् (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य संस्कृत साहित्य के सुरक्षित महाकाव्यों के ज्ञान से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। रघुवंश, शिशुपालवध तथा किरातार्जुनीयम महाकाव्यों के अध्ययन से साहित्य के अनुपम सौन्दर्य से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।

Unit इकाई	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I.	**रघुवंश (प्रथम एवं द्वितीय सर्ग)**	**20**
II.	**शिशुपाल वध (प्रथम सर्ग)**	**14**
III.	**किरातार्जुनीयम (द्वितीय सर्ग)**	**14**
IV.	**समीक्षात्मक प्रश्न**	**12**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या	10 x 2 = 20
द्वितीय इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या	10 x 2 = 20
तृतीय इकाई से दो श्लोकों की व्याख्या	10 x 2 = 20
प्रत्येक इकाई से एक-एक कुल 3 समीक्षात्मक प्रश्न	5 x 3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. रघुवंश महाकाव्य संजीवनी व्याख्या, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
2. रघुवंश महाकाव्य मल्लिनाथ टीका पं० रामचन्द्र झा, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
3. रघुवंश
4. शिशुपालवधम् मल्लिनाथ व्याख्या, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
5. शिशुपालवधम् सुधा व्याख्योपेतम्, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
6. किरातार्जुनीयम् महाकाव्य अनु० श्री राम त्रिपाठी लोकभार प्रकाशन, इलाहाबाद
7. किरातार्जुनीयम् सान्वय भावबोधिनी व्याख्याकार डॉ० सतीप्रसाद मिश्र, चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन
8. किरातार्जुनीयम , घण्टापथ प्रकाशन, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन

सहायक ग्रंथ:

1. संस्कृत महाकाव्य परम्परा, डॉ० केशवराज मुसलगाँवकर
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आर्थर मैक्डाल अनु० चारु चन्द्र शास्त्री चौखम्बा
3. कालिदास ग्रंथावली, डॉ० सीताराम सं उ०प्र० संस्कृत संस्थान, लखनऊ

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021009TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य लौकिक संस्कृत साहित्य के ज्ञान भण्डार से विद्यार्थियों को परिचित कराना है। इसके अध्ययन से विद्यार्थियों को लौकिक साहित्य की विभिन्न विधाओं यथा गद्य, पद्य, नाट्य तथा चम्पू के उद्भव एवं विकास का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास**	**15**
II.	**पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास**	**15**
III.	**नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास**	**15**
IV.	**चम्पू काव्य का उद्भव एवं विकास**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से एक दीर्घ प्रश्न तथा 2 लघु प्रश्न	10x1 = 10 5x2 = 10
द्वितीय इकाई से एक दीर्घ प्रश्न तथा 2 लघु प्रश्न	10x1 = 10 5x2 = 10
तृतीय इकाई से एक दीर्घ प्रश्न तथा 2 लघु प्रश्न	10x1 = 10 5x2 = 10
चतुर्थ इकाई से एक दीर्घ प्रश्न तथा 1 लघु प्रश्न	10x1 = 10 5x1 = 5
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला चौखम्बा अमर भारतीय प्रकाशन - वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - राजवंश सहाय, हीरा चौखम्बा अमर भारतीय प्रकाशन - वाराणसी।
3. संस्कृत महाकाव्य परम्परा - (कालिदास से श्रीहर्ष तक) केशवराज मुसलगाँवकर
4. लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (हिन्दी रूपान्तर) मूल लेखक डॉ० गौरीनाथ शास्त्री चौखम्बा, अमर भारती
5. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक शब्द ऐतिहासिक अध्ययन डॉ० छविनाथ त्रिपाठी
6. संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, उ०प्र० संस्कृत संस्थान लखनऊ (चतुर्थ एवं सप्तम खण्ड)
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास - प्रो० बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
8. संस्कृत नाटक, ए०बी० कीथ (अनु० उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली - 1965)
9. संस्कृत नाटककार, कान्तिकिशोर भरतिया सूचना विभाग उत्तर प्रदेश - 1959
10. नाटककार कालिदास एवं काव्यकार कालिदास परिखल पब्लिकेशन्स दिल्ली - 2001
11. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. संस्कृत कवि दर्शन, मोला शंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
13. राजशेखर के रूपकों में प्रेम एवं सौन्दर्य - डॉ० आशाारानी पाण्डेय, निखिल प्रकाशन, आगरा।
14. History of Classical Sanskrit Literature Krishnamachariar
15. History of Saskrit Literature by AA Macdonell

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021010TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास (परिचयात्मक विवरण 1920 ई0 से 2000 ई0 पर्यन्त) (साहित्य वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य में आधुनिक काव्य तथा कवियों की सुदृढ़ परम्परा से परिचित कराना है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक संस्कृत लेखन में प्रयुक्त नवीन विधाओं से भी परिचित होंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**आधुनिक संस्कृत साहित्य** **महाकाव्य, खण्डकाव्य, चम्पूकाव्य, नाटक, एकांकी**	**15**
II.	**कथा, उपन्यास, कहानी संग्रह, स्त्रोत काव्य, लोकगीत, कज्जालिका**	**15**
III.	**संस्कृत पत्रकारिता, डायरी, यात्रावृत्तान्त अनुवाद**	**15**
IV.	**समकालीन काव्य में अलंकार एवं छन्दोविधान में अभिनव प्रयोग** **यथा - हाइकू / तान्का, सवैया, दोहा, सोरठा**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से 5 प्रश्न	5x5 = 25
द्वितीय इकाई से 4 प्रश्न	5x4 = 20
तृतीय इकाई से 3 प्रश्न	5x3 = 15
चतुर्थ इकाई से 3 प्रश्न	5x3 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य - बीसवीं शता० - डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी - राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान जनकपुरी, नई दिल्ली।
2. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास (बृहद्) (सप्तम खण्ड) डॉ० बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - राजशेखर पाण्डेय
4. संस्कृत साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा - डॉ० रेखा शुक्ला, प्रतिभा प्रकाशन - नई दिल्ली।
5. आधुनिक संस्कृतसाहित्येतिहासः - देवर्षि कलानाथ शास्त्री
6. पतञ्जलिरचित महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन - डॉ० शालिनी अग्रवाल, परिमल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
7. विंशति शताब्दी संस्कृत काव्यमृत - प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र
8. आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा - केशवराव मुसलगाँवकर

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021011TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक – न्याय, वैशेषिक, लोकायत एवं जैन दर्शन** **(दर्शन वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वनाथ पञ्चानन की पुस्तक "न्यायसिद्धान्तमुक्तावली" से न्याय एवं वैशेषिक तथा सर्वदर्शनसंग्रह से चार्वाक और जैन दर्शन का विस्तृत एवं गहन बोध कराना है।
- इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी भारतीय परिप्रेक्ष्य में इन ग्रंथों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- न्याय एवं वैशेषिक दर्शन की पदार्थ मीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा का सम्यक् ज्ञान विद्यार्थियों को होगा।
- विद्यार्थी न्याय वैशेषिक दर्शन के विभिन्न सिद्धान्तों का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय दर्शन की कतिपय अन्य शाखाओं का भी ज्ञान विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से प्राप्त कर सकेंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**न्याय सिद्धान्त मुक्तावली - प्रत्यक्ष खण्ड व्याख्या (दो)**	**18**
II.	**न्याय सिद्धान्त मुक्तावली अनुमान पर्यन्त, व्याख्या (दो)**	**18**
III.	**चार्वाक (लोकायत) दर्शन - सर्वदर्शन संग्रह से व्याख्या (एक)**	**12**
IV.	**जैन दर्शन - सर्वदर्शनसंग्रह से व्याख्या (एक)**	**12**
	नोट - तीनों ग्रंथों से समीक्षात्मक एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक 8 अंक (न्याय सि मु० से दो प्रश्न होंगे, जिसमें से विद्यार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा।	

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से दो व्याख्या	8 x 2 = 16
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	7½ x 2 = 15
तृतीय इकाई से एकव्याख्या	10
चतुर्थ इकाई से एक व्याख्या	10

तीनों ग्रंथों से समीक्षात्मक एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (न्याय सिद्धान्त मुक्तावली से दो प्रश्न होगें जिसमें से विद्यार्थी को कोई एक प्रश्न करना होगा।)	8 x 3 = 24
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. न्यायसिद्वान्तमुक्तावली - विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्याकार - गजानन शास्त्री. मुसलगाँवकर. चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. न्यायसिद्वान्तमुक्तावली - विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्याकार - धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री. मोतीलाल बनारसीदास. दिल्ली
3. कारिकावली - विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य (प्रभा–मञ्जूषा–दिनकरी- रामरुद्री इत्यादि टीका सहित) चौखम्बा संस्कृत सीरीज – वाराणसी

सहायक ग्रंथ:

1. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री, न्यायवैशेषिक, मोतीलाल बनारसीदास . दिल्ली
2. सांख्य एवं जैनदर्शन की तत्वमीमांसा - डॉ० रामकिशोर शर्मा. ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
3. सर्वदर्शनसंग्रह - उमाशंकर शर्मा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
4. S.N. Dasgupta - “A History of Indian Philosophy”, M.L.B.D. Delhi (Also Hindi Translation by Kalanath & Sudhir Kumar, Rajasthan Hindi Grantha Academy)
5. Ram Chandra Pandey - “Panorama of Indian Philosophy” (English & Hindi Version), M.L.B.D. Delhi 6- Sarvadarshan Sangraha of Madhav – Edited by U.S. Sharma, Varanasi.

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021012TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - पूर्व मीमांसा एवं बौद्ध दर्शन (दर्शन वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की मीमांसा एवं भारतीय दर्शन के कतिपय अन्य शाखा (बौद्ध मत) के आधारभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है। इसका आधार लौगाक्षिभास्करकृत प्रमुख मीमांसा ग्रंथ 'अर्थसंग्रह' एवं 'सर्वदर्शनसंग्रह' होगा।
- विद्यार्थियों के लिए मीमांसा दर्शन की पदार्थ-मीमांसा और ज्ञान मीमांसा को जानने के लिए यह ग्रंथ अत्यन्त सहायक सिद्ध होगा।
- विद्यार्थी विविध वैदिक वाक्यों, उनके अर्थ और मीमांसा दर्शन के भाषागत पक्ष से भी अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों की तर्कक्षमता एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थी भारतीय दार्शनिक पक्ष की विभिन्न धाराओं का तुलनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्यविषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
I.	**अर्थसंग्रह – लौगाक्षिभास्कर (प्रारम्भ से श्रुतेलक्षणं प्रमेदाश्च तक)**	**15**
II.	**अर्थसंग्रह – लौगाक्षिभास्कर (विनियोगत्रयाः श्रुतेः से पर्यन्त तक))**	**15**
III.	**अर्थसंग्रह – यंत्र विचार से बाधायोगपरसंहार पर्यन्त**	**15**
IV.	**बौद्ध दर्शन – सर्वदर्शन संग्रह से**	**15**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से एक व्याख्या	10
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	5 x 2 = 10
तृतीय इकाई से एक व्याख्या	10
चतुर्थ इकाई से एक व्याख्या	10
अर्थसंग्रह से समीक्षात्मक एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (तीन विकल्पों में से कोई दो)	10 x 2 = 20
बौद्ध दर्शन (सर्वदर्शन संग्रह) से समीक्षात्मक प्रश्न	7½ x 2 = 15

	कुल अंक = 75
आन्तरिक मूल्यांकन :	
असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

प्रस्तुत ग्रंथ:

1. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर, हिन्दी व्याख्याकार, डॉ० दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर, हिन्दी व्याख्याकार, कामेश्वरनाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर, हिन्दी व्याख्याकार, वासवस्पति उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी
4. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर, हिन्दी व्याख्याकार, डॉ. राजेश्वर शास्त्री, मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी (तृतीय संशोधित संस्करण) 2019
5. Arthasangraha - Laugakshibhaskar (ed. & tran.) A.B. Gajendragodkar & R.D. Karmakar, BHandarkar Oriental Research Institute, Poona

सहायक ग्रंथ:

1. गजानन शास्त्री, मुसलगाँवकर - मीमांसा दर्शन का विवेचनात्मक इतिहास, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. Hiriyana - M - 'Outline of Indian Philosophy, London.
3. Radhakrishnan S - Indian Philosophy, Blackie & sons, Bombay

Programme/Class: Masters **कार्यक्रम/वर्ग**- परास्नातकडिग्री	**Year:** Five **वर्ष-** पंचम	**Semester:** X **सेमेस्टर-** दशम
विषय-संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड- A021010TN	**प्रश्नपत्र शीर्षक - वेदान्त एवं उपनिषद् (दर्शन वर्ग)**	
Credits: 4	**Core Compulsory (अनिवार्य प्रश्नपत्र)**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**	

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को 'ब्रह्मसूत्र' के अध्ययन द्वारा अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्तों को भली-भाँति परिचित कराना है। साथ ही भारतीय दर्शन के छः आस्तिक एवं तीन नास्तिक दर्शनों से भिन्न उपनिषदों पर आधारित ब्रह्मज्ञान परक दार्शनिक चिन्तन का अवबोध प्रदान कराना है।
- विद्यार्थी इन ग्रंथों के माध्यम से अद्वैत वेदान्त का तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
- वेदान्त दर्शन की तत्व मीमांसा, नैतिक एवं विश्लेषणात्मक पक्षों का भी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- पाठ्य-ग्रंथ का गहन ज्ञान विद्यार्थियों के लिए आज के समय में तनाव-प्रबन्धन, विश्व-शान्ति, सामाजिक समरसता और मानव-कल्याण हेतु अत्यन्त सहायक सिद्ध होगा।

Unit इकाई	**Topics पाठ्यविषय**	**No. of Lectures व्याख्यान संख्या**
I.	**ब्रह्मसूत्र - शांकरभाष्य - (ब्रह्मजिज्ञासाधिकरण एवं जन्माधिकरण)**	**16**
II.	**ब्रह्मसूत्र - शांकरभाष्य - (शास्त्रयोनित्वाधिकरण एवं समन्वयाधिकरण)**	**16**
III.	**छान्दोग्योपनिषद् (षष्ठ प्रपाठक) - अष्टमखण्ड पर्यन्त व्याख्या (एक)**	**14**
IV.	**छान्दोग्योपनिषद् (षष्ठ प्रपाठक) - नवम से षोडशखण्ड पर्यन्त व्याख्या (एक)**	**14**
नोट	प्रत्येक इकाई से विवेचनात्मक एवं विस्तृत उत्तरीय प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न में दो विकल्प होंगे, जिसमें एक का चयन करना होगा। ब्रह्मसूत्र की प्रत्येक इकाई से एक एक प्रश्न छान्दोग्योपनिषद की (षष्ठ प्रपाठक की) तृतीय और चतुर्थ इकाई से एक-एक प्रश्न	

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन-

प्रथम इकाई से एक व्याख्या	10
द्वितीय इकाई से दो व्याख्या	5 x 2 = 10
तृतीय इकाई से एक व्याख्या	10

चतुर्थ इकाई से एक व्याख्या	10
प्रथम व द्वितीय इकाई से एक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न में दो विकल्प होंगे जिसमें एक का चयन करना होगा।)	10 x 2 = 20
तृतीय और चतुर्थ इकाई से एक एक प्रश्न	7½ x 2 = 15
	कुल अंक = 75

आन्तरिक मूल्यांकन :

असाइनमेन्ट	10 अंक
वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय परीक्षा	10 अंक
उपस्थिति एवं अनुशासन	05 अंक
	कुल अंक = 25

संस्कृत ग्रंथ :

1. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य (चतुः सूत्री) - व्याख्याकार, आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य (चतुः सूत्री) - व्याख्याकार रमाकान्त त्रिपाठी, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
3. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य - व्याख्याकार, स्वामी हनुमान जी षट्शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
4. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य - व्याख्याकार कामेश्वर मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी।
5. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य - भामती टीका अनुवाद सहित (सम्पादक) - स्वामी योगीचिन्दनन्द, चन्द्रदर्शन प्रकाशन, वाराणसी।
6. छान्दोग्योपनिषद् - अनुवाद एवं व्याख्या, श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीता प्रेस, गोरखपुर।
7. एकादशोपनिषद्, हिन्दी अनुवाद, गीता प्रेस, गोरखपुर

सहायक ग्रंथ :-

1. चन्द्रधर शर्मा - भारतीय दर्शन : आलोचना व अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. S.M.S. Chari - Fundamental of Visistadvaita Vedanta, MLBD, Delhi.
3. S.M.S. Chari - The Philosophy of Vasistadvaita Vedanta, MLBD, Delhi.
4. N.K. Devraj - Introduction to Sankara's Theory of Knowledge, MLBD, Delhi
5. S. Radhakrishnan - Indian Philosophy, Vol. 1-2, London (Hindi Translation by Nanda Kishor Gomil), Delhi
6. Rammurti Sharma, Advaita Vedanta, Eastern Book Linkers, Delhi.
7. Ramchandra Dattatreya Ranade, 'A Constructive Survey of Upanishadic Philosophy' Oriental Books Agency, Pune
8. S. Radhakrishnan - 'Principal Upnishads, Centenary Edition, DUP, Delhi

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय

कानपुर

Uttar Pradesh NEP-2020 UG course Structure aligned with FYUGP of UGC

(To be effective from 2025-26 session)

Prof. Pradeep Kumar Dixit
Convener - Sanskrit
C.S.J.M. University
Kanpur, U.P.

संयोजक – प्रो० प्रदीप कुमार दीक्षित

B.A. SANSKRIT MINOR SYLLABUS

(To be effective from 2025-26 session)

Syllabus Developed by:

S.No.	Name	Designation	Department	University/College
1.	प्रो० प्रदीप कुमार दीक्षित	संयोजक	संस्कृत	वी०एस०एस०डी० कॉलेज, कानपुर
2.	प्रो० मीना गुप्ता	सदस्य	संस्कृत	पी०पी०एन० कॉलेज, कानपुर
3.	प्रो० बिन्दु सिंह	सदस्य	संस्कृत	के०के० पी०जी० कॉलेज, इटावा
4.	प्रो० ममता शुक्ल	सदस्य	संस्कृत	ए०एन०डी०एन०एन०एम० कॉलेज, कानपुर
5.	प्रो० गोपबंधु मिश्र	सदस्य	संस्कृत	बी०एच०यू०, वाराणसी
6.	प्रो० भारतेन्दु पाण्डेय	सदस्य	संस्कृत	दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7.	प्रो० गिरजा शंकर शास्त्री	सदस्य	ज्योतिष	बी०एच०यू०, वाराणसी
8.	प्रो० मुरलीमनोहर पाठक (कुलपति)	सदस्य	संस्कृत	लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली
9.	प्रो० मार्कन्डेय नाथ तिवारी	सदस्य	संस्कृत	लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली
10.	प्रो० आशारानी पाण्डेय	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	डी०जी०पी०जी० कॉलेज, कानपुर
11.	प्रो० प्रीति राठौर	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	डी०बी०एस० कॉलेज, कानपुर
12.	प्रो० शालिनी अग्रवाल	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	जुहारी देवी गर्ल्स पी०जी० कॉलेज,कानपुर
13.	डॉ० अंशुल दुबे	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	तिलक महाविद्यालय, औरैया
14.	डॉ० सवितुर प्रकाश गंगवार	विशेष आमंत्रित सदस्य	संस्कृत	डी०ए०वी० कॉलेज, कानपुर

S.No.	Name	
1.	प्रो० प्रदीप कुमार दीक्षित (संयोजक - संस्कृत) संस्कृत विभाग वी०एस०एस०डी० कॉलेज, कानपुर	
2.	प्रो० मीना गुप्ता (सदस्य) संस्कृत विभाग पी०पी०एन० कॉलेज, कानपुर	
3.	प्रो० बिन्दु सिंह (सदस्य) संस्कृत विभाग के०के० पी०जी० कॉलेज, इटावा	
4.	प्रो० ममता शुक्ल (सदस्य) संस्कृत विभाग ए०एन०डी०एन०एन०एम० कॉलेज, कानपुर	
5.	प्रो० मुरलीमनोहर पाठक (सदस्य) (कुलपति) लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली	
6.	प्रो० गोपबंधु मिश्र (सदस्य) संस्कृत विभाग बी०एच०यू०, वाराणसी	
7.	प्रो० भारतेन्दु पाण्डेय (सदस्य) संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	मैं पाठ्यक्रम से सहमत हूँ। प्रो. भारतेन्दु पाण्डेय Prof. BHARTENDU PANDEY अध्यक्ष / Head संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय Department of Sanskrit University of Delhi

8.	**प्रो० गिरजा शंकर शास्त्री (सदस्य)** **ज्योतिष विभाग** **बी०एच०यू०, वाराणसी**	
9.	**प्रो० मार्कन्डेय नाथ तिवारी (सदस्य)** **संस्कृत विभाग** **लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली**	
10.	**प्रो० आशारानी पाण्डेय (विशेष आमंत्रित सदस्य)** **संस्कृत विभाग** **डी०जी०पी०जी० कॉलेज, कानपुर**	
11.	**प्रो० प्रीति राठौर (विशेष आमंत्रित सदस्य)** **संस्कृत विभाग** **डी०बी०एस० कॉलेज, कानपुर**	
12.	**प्रो० शालिनी अग्रवाल (विशेष आमंत्रित सदस्य)** **संस्कृत विभाग** **जुहारी देवी गर्ल्स पी०जी० कॉलेज,कानपुर**	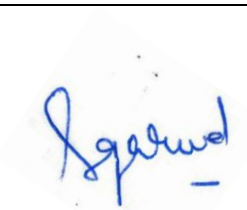
13.	**डॉ० अंशुल दुबे (विशेष आमंत्रित सदस्य)** **संस्कृत विभाग** **तिलक महाविद्यालय, औरैया**	
14.	**डॉ० सवितुर प्रकाश गंगवार (विशेष आमंत्रित सदस्य)** **संस्कृत विभाग** **डी०ए०वी० कॉलेज, कानपुर**	

B.A. Sanskrit (MINOR)

First Semester

प्रथम सेमेस्टर

विषय:-संस्कृत

प्रश्नपत्रकोड-A020101TM	**प्रश्नपत्रशीर्षक: संस्कृत वाङ्गमय में विज्ञान एवं पर्यावरण**

Course outcomes: अधिगमप्रतिफलानि-

- छात्रों को संस्कृत साहित्य में निहित प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक और पर्यावरणीय ज्ञान से परिचित कराना।
- संस्कृत ग्रंथों में वर्णित विज्ञान की सामान्य अवधारणाओं (जैसे खगोल विज्ञान, आयुर्वेद, गणित) को उजागर करके वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना।
- प्रकृति, पेड़-पौधों और जल स्रोतों के प्रति संस्कृत वांग्मय में निहित सम्मान और संरक्षण की भावना को छात्रों में विकसित करना।
- संस्कृत साहित्य, विज्ञान और पर्यावरण के बीच के अंतर-विषयक संबंधों को स्थापित करना।
- संस्कृत वांग्मय में विज्ञान और पर्यावरण से संबंधित बुनियादी शब्दावली और अवधारणाओं से छात्रों को अवगत कराना।
- प्राचीन भारतीय ज्ञान की वर्तमान वैज्ञानिक और पर्यावरणीय संदर्भ में प्रासंगिकता को समझाना।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
	प्रथम भाग (PART-1)	
I.	संस्कृत भाषा का स्वरूप एवं महत्त्व	
II.	संस्कृत भाषा में विज्ञान – भूगोल, खगोल, गणित का सामान्य परिचय	12
III.	संस्कृत वाङ्गमय में आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, संगीत एवं वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय	11
IV.	अन्य देशों में संस्कृत भाषा का अध्ययन-अध्यापन – अमेरिका, पोलैंड, जर्मनी एवं इंग्लैंड के संदर्भ में	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	पर्यावरण का अर्थ, महत्व तथा पर्यावरण प्रदूषण के कारण	12
VI.	पर्यावरण प्रदूषण के निदान में वैदिक वाङ्गमय	12
VII.	पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की भूमिका	11
VIII.	यज्ञ के घटकों का वैज्ञानिक महत्त्व	10

संस्तुतग्रन्थ-

- वेदों में विज्ञान – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी – विश्वभारती अनुसंधान परिषद्
- पर्यावरण विज्ञान और अर्वाचीन संस्कृत महाकाव्य, डॉ० मुरारीलाल अग्रवाल - प्रकाशक - निखिल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 37 'शिवराम कृपा' विष्णु कालोनी, शाहगंज, आगरा - 10
- वेदों में पर्यावरण विज्ञान - डॉ० चन्द्रशेखर लोखण्डे (शास्त्री), प्रकाशक - श्री धूड़मल प्रहलादकुमार आर्य धर्मार्थ ट्रस्ट, हिण्डौन सिटी (राजस्थान) –
- आधुनिक जीवन और पर्यावरण, दामोदर शर्मा एवं हरीश व्यास, प्रकाशक - प्रभात प्रकाशन, 4/19 आसिफ अली रोड, नई दिल्ली
- पर्यावरण शिक्षा - डॉ० राजेश दुबे, प्रकाशक - प्रकृति भारती, लखनऊ (उ०प्र०)
- संस्कृत में विज्ञान एवं वैज्ञानिक तत्व, सम्पादक प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रकाशक - इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- पर्यावरण और संस्कृतवाङ्मय - डॉ० मुरारीलाल अग्रवाल
- संस्कृतसाहित्ये जलविज्ञानम्, नाग प्रकाशक, दिल्ली
- भारतीय दर्शनों में समन्वय विमर्श, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मेघामन्त्रः, डॉ० नवलता, आशियाना, लखनऊ

This course can be opted as an minor by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावितसतत मूल्यांकन-

प्रश्नपत्र	**75 अंक**
आन्तरिक मूल्यांकन (असाइनमेन्ट, उपस्थिति एवं अनुशासन)	**25 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

B.A. Sanskrit (MINOR)

Third Semester

तृतीय सेमेस्टर

विषय:-संस्कृत

प्रश्नपत्रकोड- A020301TM	**प्रश्नपत्रशीर्षक: भारतीय दर्शन एवं योग**

Course outcomes: अधिगमप्रतिफलानि-

- छात्रों को भारतीय दर्शन की मूलभूत अवधारणाओं (जैसे आस्तिक-नास्तिक दर्शन) से परिचित कराना।
- योगदर्शन के सिद्धांतों और व्यवहारिक पहलुओं से छात्रों को अवगत कराना।
- भारतीय दर्शन और योग के माध्यम से जीवन मूल्यों, नैतिकता और आत्म-विकास के महत्व को समझाना।
- छात्रों में चिंतन और विश्लेषण क्षमता को विकसित करना, ताकि वे दार्शनिक विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकें।
- योग को केवल शारीरिक व्यायाम से बढ़कर एक समग्र जीवन शैली और मानसिक अनुशासन के रूप में प्रस्तुत करना।।
- संस्कृत भाषा के माध्यम से दार्शनिक और योग संबंधी शब्दावली को समझने की क्षमता विकसित करना।
- आधुनिक जीवन में योग की प्रासंगिकता और तनाव प्रबंधन तथा व्यक्तिगत विकास में इसकी भूमिका से अवगत कराना।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks:**

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान संख्या**
	प्रथम भाग (PART-1)	
I.	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय, अर्थ एवं महत्त्व	10
II.	आस्तिक दर्शन एवम् उनके आचार्य	11
III.	नास्तिक दर्शन एवम् उनके आचार्य	12
IV.	व्यक्तित्व निर्माण में दर्शन की भूमिका (गीता एवम् उपनिषद् के विशेष परिपेक्ष्य में)	12
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V.	योग की भारतीय अवधारणा एवं अष्टांग योग।	12
VI.	योग परम्परा के संवाहक आचार्य (प्राचीन एवं अर्वाचीन)	10
VII.	योग – मानव स्वास्थ्य	11

VIII.	प्रमुख औषधीय पादपों कि उपयोगिता – तुलसी, आंवला, अदरक, हल्दी, गिलोय, नीम, घृतकुमारी, तेजपत्ता	12

संस्तुतग्रन्थ-

- पातंजलयोगदर्शनम्, पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
- योग दर्शन, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
- पातंजलयोगदर्शनम्, सुदेश चंद्र श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रैनिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
- नेचर क्योर फिलॉसफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, 1958
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- भारतीय दर्शन, आलंबन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004
- श्रीमद्भगवतगीता, (संपा०) रामजन्म शाधुले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1985
- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1994

This course can be opted as an minor by the students of following subjects:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावितसतत मूल्यांकन-:

प्रश्नपत्र	**75 अंक**
आन्तरिक मूल्यांकन (असाइनमेन्ट, उपस्थिति एवं अनुशासन)	**25 अंक**

Course prerequisites:
सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)